कोटद्वार, बुधवार
5 फरवरी 2025
वर्षः 46
अंकः 265 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00
RNI No.UTTHIN/2005/16338

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल
डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोनः 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

मुख्यमंत्री ने किया भारतीय मानक ब्यूरो, मानक मेला का शुभारंभ

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को देहरादून में आयोजित भारतीय मानक ब्यूरो के स्टैंडर्ड क्लब कार्निवाल का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने विभिन्न स्टॉल का निरीक्षण किया और २ मार्क उत्पादों को खरीदने के लिए शपथ भी दिलाई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय मानक ब्यूरो का स्टैंडर्ड्स क्लब, हमारे छात्रों को गुणवत्ता और मानकीकरण का महत्व समझाने के साथ–साथ उनमें रचनात्मकता, नवाचार और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को विकसित करने का कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि किसी भी देश की अर्थव्यवस्था, औद्योगिक विकास और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में उसका स्थान इस बात पर निर्भर करता है कि वहां बनने वाले उत्पाद और सेवाएं कितनी विश्वसनीय, टिकाऊ और उच्च गुणवत्ता वाली हैं। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए, भारतीय मानक ब्यूरो पिछले 78 वर्षों से राष्ट्र निर्माण में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। भारतीय मानक ब्यूरो ने विभिन्न क्षेत्रों में मानकीकरण के माध्यम से भारतीय उत्पादों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के साथ–साथ उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा भी की है। ब्यूरो द्वारा स्थापित मानक हमारे उद्योगों,

व्यापार और सेवाओं के प्रमाणीकरण की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज भी जब हम कोई उत्पाद खरीदने जाते हैं, तो सबसे पहले यही देखते हैं कि उस उत्पाद पर आईएसआई मार्क है या नहीं। यदि आईएसआई मार्क होता है, तो हमें पूरा भरोसा हो जाता है कि ये उत्पाद गुणवत्ता और सुरक्षा के सभी मानकों पर खरा उतरेगा। ये अपने आप में भारतीय मानक ब्यूरो की विश्वसनीयता और उपभोक्ताओं के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाने के लिए पर्याप्त है। उन्होंने कहा कि कोई भी मानक केवल तकनीकी दिशा–निर्देश या मापदंड नहीं होते, बल्कि वे हमारे देश के विकास और आत्मनिर्भरता की बुनियाद भी होते हैं।

ये न केवल हमारे कार्यों की गुणवत्ता को सुनिश्चित करते हैं, बल्कि देश के प्रत्येक नागरिक के जीवन को भी किसी न किसी रूप में प्रभावित करते हैं।

विकसित हो रहा है मानकों का ईकोसिस्टम

मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल के वर्षों में मानकों के इकोसिस्टम का व्यापक विस्तार हुआ है, अब कृषि, सड़क परिवहन, स्वास्थ्य सहित लगभग सभी क्षेत्रों को समाहित कर रहा है। ये विस्तार सुनिश्चित करता है कि सभी क्षेत्रों में उच्च गुणवत्ता, सुरक्षा और दक्षता के मानक लागू हों, जिससे हमारे जीवनस्तर में सुधार हो और अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिल सके। इसी तरह हमारे प्रदेश में भी भारतीय मानक ब्यूरो पीडब्ल्यूडी, एमडीडीए, यूपीसीएल और आपदा प्रबंधन विभाग के साथ समन्वय करते हुए, इन सभी को मानकीकरण की दिशा में जागरूक और सशक्त बनाने का महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है।

आत्मनिर्भर भारत में अहम योगदान

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 'आत्मनिर्भर भारत' का सपना साकार हो रहा है। इस सपने को साकार करने में भारतीय मानक ब्यूरो की अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका है। प्रधानमंत्री का उद्देश्य है कि भारतीय उत्पाद अपनी गुणवत्ता, नवाचार और विश्वसनीयता के लिए पूरे विश्व में एक मिसाल स्थापित करें। क्योंकि जब हम अपने उत्पादों को वैश्विक मानकों के अनुरूप तैयार करते हैं, तो हम न केवल उनकी गुणवत्ता का ध्यान रखते हैं, बल्कि अपने उद्योगों को अंतर्राष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए भी सशक्त आधार प्रदान करते हैं। इसी की ध्यान में रखते हुए हमारी प्रदेश सरकार भी निरंतर प्रयास कर रही है।

हाउस ऑफ हिमालयाज

मुख्यमंत्री ने कहा आज हम अपने पारंपरिक उत्पादों, जैसे हस्तशिल्प, जैविक कृषि उत्पाद, औषधीय जड़ी–बूटियों और अन्य स्थानीय उत्पादों के लिए उच्च मानक स्थापित करने का प्रयास कर रहे हैं जिससे हमारे उत्पाद वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा कर सकें। इसी को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार ने 'हाउस ऑफ हिमालयाज' नाम से एक अम्ब्रेला ब्रांड की स्थापना की है, जो हमारे स्थानीय उत्पादों को विश्वस्तरीय पहचान दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय मानक ब्यूरो ने देशभर के 10,000 से अधिक स्कूलों में स्टैंडर्ड क्लब स्थापित किए हैं, जिनके माध्यम से बच्चों में मानकों के प्रति जागरूकता फैलाई जा रही है। साथ ही, ब्यूरो ने लगभग 100 प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों के साथ टडव साइन किए हैं, जिनमें हमारे उत्तराखंड के चार प्रमुख संस्थान भी शामिल हैं। बीआईएस अब ग्राम पंचायत स्तर तक मानकों के महत्व को पहुंचा रहा है।

वन नेशन वन स्टैंडर्ड

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संकल्प है कि "भारतीय मानक" न केवल अंतर्राष्ट्रीय मानकों के बराबर हों, बल्कि उनसे भी श्रेष्ठ बनें। उनके इसी संकल्प को साकार करने के लिए हमारी सरकार इक्र के साथ मिलकर राज्य में उच्चतम मानकों का पालन सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि अगर हम गुणवत्ता को अपनी आदत बना लेंगे तो न केवल हम विश्व के सभी मानकों पर खरे उतरेंगे बल्कि एक समय ऐसा भी आएगा जब हमारे उत्पाद वैश्विक मानक तय करेंगे। उन्होंने आशा व्यक्त करते हुए कहा कि "भारतीय मानकर ब्यूरो" हमारे देश को वैश्विक मानकों की दौड़ में शीर्ष पर ले जाने के अपने महत्वपूर्ण कार्य को इसी प्रकार जारी रखेगा और हम सभी मिलकर 'वन नेशन, वन स्टैंडर्ड' की नीति को अपनाकर 'गुणवत्ता सम्पन्न भारत' का निर्माण सुनिश्चित करेंगे। इस अवसर पर कैंट विधायक सविता कपूर, भारतीय मानक ब्यूरो के निदेशक उत्तराखंड सौरभ तिवारी, आयुक्त खाद्य हरिचंद्र सेमवाल, उप निदेशक बीआईएस स्नेहलता उपस्थित थे।

एक नजर

मुख्यमंत्री ने की विभिन्न विकास योजनाओं के लिये धनराशि स्वीकृत

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा आपदाग्रस्त एवं ग्रामीण क्षेत्र खैर मानसिंह, द्रोण द्वारा, थेवा मालदेवता, अस्थल, अखण्डवाली भिलंग में 500 सोलर स्ट्रीट लगाये जाने की घोषणा के क्रियान्वयन हेतु चालू वित्तीय वर्ष 2024–25 में मुख्यमंत्री द्वारा उक्त योजना हेतु रू0 28.69 लाख (रु० अट्ठाईस लाख उनहत्तर हजार मात्र) की स्वीकृति प्रदान की गयी है। मुख्यमंत्री द्वारा गुरूनानक पब्लिक इण्टर कॉलेज खुडबुड़ा मोहल्ला देहरादून को पुताई पेन्ट एवं मरम्मत आदि कार्यों के सम्बन्ध में की गई घोषणा के कियान्वयन हेतु मुख्यमंत्री द्वारा रू0 99.99 लाख (रु० निन्यानवे लाख निन्यानवे हजार मात्र) की स्वीकृति प्रदान की गयी है। मुख्यमंत्री द्वारा इको टास्क फोर्स गढ़वाल राइफल मुख्यालय गढी कैंट देहरादून के लिए 50 के०एल० क्षमता के जलाशय का निर्माण की घोषणा के कियान्वयन हेतु वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान करते हुए रू0 8.11 लाख की स्वीकृति प्रदान की गयी है। जबकि विधान सभा सल्ट के ग्राम सभा कुशिया चौन मल्ला में देवी मंदिर एवं शिव मंदिर का सौन्दर्यीकरण किये जाने की घोषणा के कियान्वयन हेतु वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान करते हुए 23.97 लाख की स्वीकृति प्रदान की गयी है।

किसानों को फसल बीमा भुगतान जल्द करने के निर्देश

देहरादून। कृषि मंत्री गणेश जोशी ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत उत्तरकाशी के किसानों की सेब की फसल मुआवजा जल्द भुगतान करने के निर्देश दिए। बीमा कंपनी के स्तर पर हो रही देरी की वजह की जांच के निर्देश भी दिए हैं। मंगलवार को मंत्री ने अपने कैंट रोड स्थित कैंप कार्यालय में बीमा विवाद समीक्षा की। मालूम हो कि उत्तरकाशी के किसानों ने पिछले साल एसबीआई जनरल इंश्योरेंस कंपनी से अपनी सेब की फसल का बीमा कराया था। फसलों को नुकसान होने पर जब किसानों बीमा क्लेम का दावा किया तो समय पर भुगतान नहीं किया जा रहा। कई मर्तबा शासन और विभाग को बताने के बावजूद कार्यवाही न होने से किसान बेहद परेशान है।कृषि मंत्री ने आज विभागीय और कंपनी के अधिकारियों के साथ कर इस समस्या के समाधान पर चर्चा की। बीमा भुगतान में देरी पर नाराजगी जताते हुए उन्होंने जल्द कार्यवाही के लिए कहा। बैठक में सचिव कृषि एसएन पांडे, डॉ रतन कुमार, महेंद्र पाल, बीमा कंपनी से विपुश डिमरी सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

स्कूटी और बाइक की भिड़ंत में महिला की मौत

हल्द्वानी। ट्रांसपोर्ट नगर इलाके में सोमवार रात एक सड़क हादसे में स्कूटी सवार महिला की मौत हो गई। हादसा स्कूटी और बाइक की टक्कर के कारण हुआ। पुलिस ने पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस के मुताबिक महावीरपुरम बहेड़ी निवासी 43 वर्षीय सपना पुत्री पप्पू रस्तोगी कोतवाली क्षेत्र में किराए के मकान में रहती थी। बताया जा रहा है कि सपना के पति का कुछ समय पहले बीमारी के कारण निधन हो गया था। सोमवार रात को सपना किसी कार्य से अपनी स्कूटी से ट्रांसपोर्टनगर की ओर गई थी। जहां पर उनकी स्कूटी एक युवक की बाइक से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि महिला 20 मीटर तक घसीटती हुई गई। आसपास के लोगों ने उसे एंबुलेंस की मदद से गंभीर हालत में डॉ. सुशीला तिवारी अस्पताल पहुंचाया। जहां उपचार के दौरान महिला ने दम तोड़ दिया।

नायब सूबेदार की मौत के मामले में अज्ञात वाहन चालक पर मुकदमा

हल्द्वानी। हल्द्वानी के भोटिया पड़ाव इलाके में पांच दिन पहले हुई सड़क दुर्घटना में कर्नाटक निवासी सेना के जवान की मौत के मामले में पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। घटना के दिन किसी काम से जवान रानीखेत चौखुटिया स्थित यूनिट से हल्द्वानी आया था। पुलिस के मुताबिक चौखुटिया स्थित यूनिट के सूबेदार रैंक के अधिकारी डीके शाह ने तहरीर देकर बताया कि 31 जनवरी को नायब सूबेदार बासवराज कडापा चोगला निवासी ग्राम छिड़काल, जिला बेलगाम कर्नाटक किसी काम से हल्द्वानी आए थे।

दिल्ली विधानसभा चुनाव : आचार संहिता उल्लंघन में आतिशी समेत कई लोगों पर दर्ज हुई एफआईआर

नई दिल्ली , दिल्ली में विधानसभा चुनाव से एक दिन पहले कालका जी विधानसभा क्षेत्र में बीती देर रात तक हंगामा हुआ। राजनीतिक पार्टियों ने एक–दूसरे पर मारपीट और कैश बांटने के आरोप लगाए हैं। इस हंगामे के बीच दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी गोविंदपुरी थाने पहुंचीं और पुलिस को शिकायत दी, जिसमें उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं पर दिल्ली के झुग्गी बस्तियों के लोगों को धमकाने का आरोप लगाया है।

आतिशी का आरोप है कि उनकी शिकायत देने के बाद उल्टा पुलिस ने उनके और आप कार्यकर्ताओं के खिलाफ ही दो मामले दर्ज कर दिए। पुलिस के मुताबिक, दोनों ही मामले सरकारी काम में बाधा डालने और आचार संहिता के उल्लंघन से जुड़े हुए हैं।

जानकारी के मुताबिक, दिल्ली चुनाव के प्रचार का समय कल समाप्त हो गया था, लेकिन देर रात तक अलग–अलग पार्टियों के कार्यकर्ता कई जगहों पर प्रचार करते हुए देखे गए, जिससे कई जगहों पर हंगामा हुआ। सबसे ज्यादा हंगामा कालका जी में हुआ, जहां मुख्यमंत्री आतिशी की सीट है। इस घटना के बाद गोविंदपुरी पुलिस स्टेशन में पुलिस ने आचार संहिता उल्लंघन के तहत आतिशी और उनके समर्थकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। दिल्ली पुलिस ने आचार संहिता उल्लंघन के पहले मामले में आतिशी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। आरोप है कि आतिशी 10 गाडियों और 50–60 समर्थकों के साथ फतेह सिंह मार्ग पर पहुंची थीं। जब पुलिस ने आचार संहिता का हवाला देते हुए वहां से जाने का आदेश दिया, तो उन्होंने इसे मना कर दिया। चुनाव आयोग की शिकायत पर उनके खिलाफ यह मामला दर्ज किया गया। दूसरे मामले में, आतिशी के समर्थकों के खिलाफ सरकारी काम में बाधा डालने और पुलिस पर हमले का आरोप है। दिल्ली पुलिस ने इस मामले में भी केस दर्ज किया है। वहीं, भाजपा नेता रमेश बिधूड़ी के भतीजे मनीष बिधूड़ी के खिलाफ रिप्रेजेंटेशन ऑफ पीपुल्स एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। एक गाड़ी में संदिग्ध सामान होने की सूचना मिली थी, लेकिन जांच में कुछ भी आपत्तिजनक सामान नहीं मिला।

केदारनाथ, मद्महेश्वर चोपता में हुई बर्फबारी

रुद्रप्रयाग : फरवरी शुरू होते ही जनपद के ऊंचाई वाले स्थानों में बर्फबारी हुई। मंगलवार को अचानक मौसम बदल गया और केदारनाथ सहित सभी ऊंचे स्थानों पर बर्फबारी हुई। जबकि निचले स्थानों पर बारिश हुई। मौसम बदलने से एक बार फिर से ठंड बढ़ गई है। मंगलवार को मुख्यालय सहित जनपद के सभी स्थानों पर सुबह से ही आसमान में बादल छा गए। जबकि कुछ ही समय बाद बारिश होने लगी। रिमझिम बारिश से एक बार मौसम में ठंडक आ गई है। वहीं केदारनाथ, मद्महेश्वर, तुंगनाथ, चन्द्रशिला, कार्तिक स्वामी, चोपता आदि स्थानों पर बर्फबारी हुई है। केदारनाथ में सुबह से ही अच्छी बर्फबारी हुई है जो देर सांय तक जारी रही। वहीं कई जगहों पर बर्फबारी के चलते पैदल मार्ग में भी आवाजाही में दिक्कतें हो रही हैं। बीते कई दिनों से दोपहर में गर्मी का अहसास होने लगा था ऐसे में बारिश और बर्फबारी से फिर ठंड बढ़ गई है। केदारनाथ में वुड स्टोन के प्रबंधक सोबन सिंह बिष्ट ने बताया कि केदारनाथ सहित सम्पूर्ण घाटी में बर्फबारी हो रही है।

महाकुंभ : 23वें दिन भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का आगमन

भव्य आयोजन के लिए सरकार को सराहा

महाकुंभ नगर , संगम नगरी प्रयागराज में गंगा, यमुना और सरस्वती के त्रिवेणी में रोजाना लाखों–करोड़ों श्रद्धालु पवित्र स्नान कर रहे हैं। इसी सिलसिले में महाकुंभ के 23वें दिन भी अधिक संख्या में श्रद्धालु संगम पहुंचे और आस्था की डुबकी लगाई। उन्होंने अच्छी व्यवस्था के लिए शासन–प्रशासन की तारीफ की और प्रधानमंत्री मोदी एवं मुख्यमंत्री योगी को भी सराहा। जम्मू की रहने वाली एक महिला श्रद्धालु वनिता सूरी ने बताया कि महाकुंभ में बहुत अच्छी व्यवस्था है। हम एक दिन पहले से आए हुए हैं और बहुत मजा आ रहा है। जैसे कि लोगों ने डराया हुआ था कि महाकुंभ नहीं जाना है, आते समय हमें डर भी लग रहा था, लेकिन यहां पर आकर बहुत अच्छा लगा। लेकिन यहां पर सारी व्यवस्था ठीक थी, सुरक्षा व्यवस्था का भी विशेष ख्याल रखा

गया है। जब हम रात में आए तो आर्मी और पुलिस के लोग भी मौजूद थे। हमने बहुत आराम से स्नान किया।

जम्मू से ही आए अमित ने बताया, महाकुंभ में बहुत अच्छी व्यवस्था थी। पीएम मोदी और सीएम योगी ने लोगों के लिए जो व्यवस्था की है, वो बहुत ही सराहनीय है। सुरक्षा का भी खास ख्याल रखा गया है।

एक अन्य श्रद्धालु भूपेंद्र सिंह ने बताया कि महाकुंभ की एक नंबर व्यवस्था है। मैं दो बार महाकुंभ में नहाया। एक बार बसंत पंचमी के दिन रात को 11 बजे और दूसरी बार सुबह चार बजे। महाकुंभ की व्यवस्था बहुत अच्छी थी, सुरक्षा के भी पुख्ता इंतजाम थे। इस बार पुलिस एक जगह भीड़ जुटने नहीं दे रही है। मौनी अमावस्या के दिन हुई भगदड़ को लेकर उन्होंने कहा, कोई डर का माहौल नहीं है। ये बहुत बड़ा आयोजन है। छोटे–मोटे हादसे के डर में घर में नहीं रह सकते।

सुप्रीम कोर्ट ने भारत में अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों की अनिश्चितकालीन हिरासत पर उठाया सवाल

नई दिल्ली ,सुप्रीम कोर्ट ने भारत में अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों की अनिश्चितकालीन हिरासत पर सवाल उठाया है। अदालत ने इन्हें उनके देश भेजने के बजाय पूरे भारत के सुधार गृहों में लंबे समय तक हिरासत में रखने के संबंध में केंद्र सरकार से जवाब मांगा। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की पीठ ने इस बात पर बल दिया कि जब किसी अवैध बांग्लादेशी प्रवासी को पकड़ा जाता है और विदेशी अधिनियम 1946 के अंतर्गत उसे दोषी ठहराया जाता है, तो उसकी सजा पूरी होने के तुरंत बाद उसे निर्वासित किया जाना चाहिए।

पीठ ने पूछा कि विदेशी अधिनियम के अंतर्गत अपनी सजा पूरी करने के बाद फिलहाल कितने अवैध आप्रवासियों को

विभिन्न सुधार गृहों में हिरासत में रखा गया है? शीर्ष अदालत ने लगभग 850 अवैध प्रवासियों की अनिश्चितकालीन हिरासत पर चिंता व्यक्त की। एससी ने 2009 के परिपत्र के खंड 2 (1) का पालन करने में सरकार की विफलता पर सवाल उठाया, जो निर्वासन प्रक्रिया को 30 दिनों में पूरा करने का आदेश देता है। न्यायालय ने इस बात पर भी केंद्र से ठोस स्पष्टीकरण की आवश्यकता पर प्रकाश डाला कि ऐसे मामलों से निपटने के लिए पश्चिम बंगाल सरकार से क्या कदम अपेक्षित हैं।

सजा पूरी होने के बाद सुधार गृहों में कैद

माजा दारूवाला बनाम भारत संघ का मामला 2013 में कलकत्ता उच्च न्यायालय से उच्चतम न्यायालय में भेजा गया था। यह मामला मूल रूप से 2011 में शुरू हुआ जब एक याचिकाकर्ता ने अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों की दुर्दशा पर प्रकाश डाला, जिन्हें उनकी सजा पूरी होने के बाद भी पश्चिम बंगाल सुधार गृहों में कैद रखा गया था। शीर्ष अदालत में स्थानांतरित होने से पहले कलकत्ता एचसी ने इस मुद्दे पर स्वतः संज्ञान लिया था। पीठ ने कहा कि ये प्रथाएं मौजूदा दिशा–निर्देशों के विपरीत हैं, जो तेजी से निर्वासन प्रक्रियाओं की आवश्यकता को रेखांकित करती हैं।

स्कॉर्पियो सवार तीन लोगों की मौत, तीन अन्य घायल

जमुई ,बिहार के जमुई जिले के सिकंदरा थाना क्षेत्र में मंगलवार तडक़े एक स्कॉर्पियो और बालू लदे वाहन की टक्कर में तीन लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। स्कॉर्पियो पर सवार सभी लोग एक तिलक समारोह से लौट रहे थे। पुलिस के मुताबिक, नवादा जिले के रोह थाना अंतर्गत कुंज गांव से एक स्कॉर्पियो पर छह लोग सवार होकर लखीसराय जिले के कजरा थाना अंतर्गत अरमा गांव में एक तिलक समारोह में शामिल होने गए थे। वापस लौटते समय जमुई से शेखपुरा की ओर तेज गति में बालू लेकर जा रही हाइवा ट्रक ने स्कॉर्पियो को बगल से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि सिकंदरा चौक के समीप मिडिल स्कूल के गेट को तोड़ते हुए स्कॉर्पियो स्कूल के कैंपस तक जा गिरी। हादसे में वीरेंद्र सिंह उर्फ वीरू और रमाकांत सिंह की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

गोवंश के अवशेष मिलने पर जमकर हंगामा, हाईवे किया जाम

विकासनगर। सेलाकुई और सहसपुर थाना क्षेत्र के बीच बड़ा रामपुर में गोवंश के अवशेष मिलने पर मंगलवार को जमकर बवाल हुआ। कई संगठनों ने पहले बड़ा रामपुर और इसके बाद दून–पांवटा हाईवे पर जाम लगाकर हंगामा किया। मौके पर पहुंचे एसडीएम विकासनगर विनोद कुमार और सीओ विकासनगर भाष्कर लाल साह ने प्रदर्शनकारियों को आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया। इसके बाद प्रदर्शनकारी शांत हुए। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी है कि अगर पांच दिन के अंदर आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया गया और दस दिन के भीतर आरोपियों की अवैध संपत्ति को ध्वस्त कर कड़ी कार्रवाई नहीं की गई तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा। दरअसल, सेलाकुई के हरिपुर निवासी हीरा सिंह पुत्र होती लाल के दो गोवंश सोमवार रात को गायब हो गए थे। मंगलवार सुबह जब वह गोवंश को ढूंढने निकले तो सहसपुर और सेलाकुई क्षेत्र के बीच बड़ा रामपुर में उन्हें गोवंश के अवशेष मिले। गोवंश के अवशेष मिलने की सूचना क्षेत्र में आग की तरफ फैल गई। सूचना पर विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल सहित कई अन्य संगठन और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौके पर पहुंच गए। पहले लोगों ने जहां गोवंश के अवशेष मिले, वहां हंगामा किया। इसके बाद दून–पांवटा हाईवे को जाम कर दिया। हाईवे जाम होने पर सेलाकुई हाईवे के दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। उधर, हंगामे की सूचना पर एसडीएम विकासनगर विनोद कुमार, सीओ विकासनगर भाष्कर लाल शाह के साथ ही विकासनगर, सेलाकुई और सहसपुर पुलिस मौके पर पहुंची।

आप—दा से लेकर अर्बन नक्सल तक, विपक्ष पर खूब बरसे पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोकसभा में मंगलवार को राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव का जवाब दिया। प्रधानमंत्री ने कहा, "यह मेरा 14वां संबोधन है।

मैं बहुत भाग्यशाली हूं कि देश की जनता ने मुझे राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर जवाब देने का 14वीं बार मौका दिया है। इसलिए मैं लोगों का आदरपूर्वक आभार व्यक्त करता हूं।" पीएम मोदी ने कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि हमने झूठे नारे नहीं, सच्चा विकास दिया तब जाकर 25 करोड़ लोग गरीबी से उबरे हैं। एक किताब का जिक्रकरते हुए पीएम मोदी ने राहुल गांधी पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों को फॉरेन पॉलिसी पर बोलना फैंसी लगता है। पीएम ने किताब पढ़ने की सलाह दी।

केजरीवाल पर "जकूजी" वाला तंज

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि एनडीए सरकार का ध्यान "जकूजी" पर नहीं बल्कि भारत के लोगों को पानी का कनेक्शन देने पर है। केजरीवाल का नाम लिए बिना प्रधानमंत्री मोदी ने तंज कसते हुए कहा कि कुछ नेताओं का फोकस (ध्यान) जकूजी पर, स्टाइलिश शावर पर है, लेकिन हमारा फोकस हर घर जल पहुंचाने पर है। मोदी ने कहा कि एनडीए के कार्यकाल से पहले, 75 प्रतिशत लोगों या 16 करोड़ से अधिक घरों में नल के पानी का कनेक्शन नहीं था। हमारी सरकार ने पांच साल में 12 करोड़ घरों को नल के पानी का कनेक्शन दिया है। लोकसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, "हम 2025 में हैं। एक प्रकार से 21वीं सदी का 25% हिस्सा बीत चुका है। 20वीं सदी में आज़ादी के बाद और 21वीं सदी

के प्रथम 25 सालों में क्या हुआ, ये तो आने वाला समय ही तय करेगा लेकिन अगर हम राष्ट्रपति जी के संबोधन का बारीकी से अध्ययन करें तो साफ नजर आता है कि उन्होंने देश के सामने आने वाले 25 सालों और विकसित भारत के लिए लोगों में विश्वास पैदा करने की बात कही है। उनका संबोधन विकसित भारत के संकल्प को मजबूती देने वाला है, नया विश्वास पैदा करने वाला है और आम लोगों को प्रेरित करने वाला है..."

झोपड़ियों में अपना फोटो सेशनङ्ग राहुल गांधी पर पीएम का तंज

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए कहा कि जो लोग गरीबों की झोपड़ियों में अपना फोटो सेशन कराकर अपना मनोरंजन करते हैं, उन्हें संसद में गरीबों की बात बोरिंग (उबाऊ) ही लगेगी। प्रधानमंत्री मोदी ने धन्यवाद प्रस्ताव पर अपने जवाब में कहा कि केंद्र की एनडीए नीत सरकार की योजनाओं के माध्यम से 25 करोड़ लोगों ने ह्लगरीबी को हरायाह्व है। पीएम मोदी के भाषण के दौरान विपक्ष ने जमकर हंगामा किया। इस पर पीएम मोदी ने तंज कसते हुए कहा कि जब ज्यादा बुखार चढ़ता है, तो लोग कुछ भी बोलते हैं। उन्होंने कहा, "जब बुखार चढ़ता है तो लोग कुछ भी बोल देते हैं। लेकिन जब बहुत ज्यादा हताश होते हैं तो भी कुछ भी बोल देते हैं।" पीएम ने कहा, ह्लजो भारत में पैदा ही नहीं हुए – ऐसे 10 करोड़ धोखेबाज लोग विभिन्न योजनाओं के माध्यम से सरकारी धन का लाभ उठा रहे थे... हमने ऐसे 10 करोड़ धोखेबाजों के नाम हटाए और उन्हें ढूंढकर वास्तविक लाभार्थियों को सुविधाएं दी।

'बचत भी विकास भी'

लोकसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, "हमारे देश में एक प्रधानमंत्री हुआ करते थे जिन्होंने एक समस्या को पहचाना था और कहा कि जब दिल्ली से एक रुपया भेजा जाता है तो नीचे तक सिर्फ 15 पैसे पहुंचते हैं...15 पैसे किसे मिलते थे ये हर कोई समझ सकता है...हमने समाधान खोजने की कोशिश की और हमारा मॉडल है 'बचत भी विकास भी', 'जनता का पैसा जनता के लिए'..." प्रधानमंत्री मोदी ने लोकसभा में कहा कि 2014 से पहले सिर्फ दो लाख रुपये की आय पर ही कर की माफी थी, लेकिन आज 12 लाख रुपये की आय तक संपूर्ण कर माफी है।

लोकसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, "पहले अखबारों की हेडलाइन घोटाले और भ्रष्टाचार से जुड़ी होती थीं...10 साल हो गए हैं, देश के करोड़ों रुपए बचे हैं, जो जनता के काम आए हैं... हमने कई कदम उठाए हैं जिससे काफी पैसा बचा है लेकिन हमने उस पैसे का इस्तेमाल शीशमहल बनाने के लिए नहीं किया, बल्कि हमने उस पैसे का इस्तेमाल देश बनाने के लिए किया है..."

सम्पादकीय

महाकुंभ भगदड़ के साजिशकर्ता

हिंदुओं की आस्था के प्रति महाकुंभ मेले रिकॉर्ड भीड़ जुट रही है तो वही कुंभ में शाही स्नान के दौरान मची भगदड़ के बाद राज्य सरकार उन सूत्रों को तलाशने का काम कर रही है जो इस भगदड़ का कारण बने। राज्य सरकार ने इसके लिए एक अच्छी खासी जांच टीम तैयार की है जो यह पता लगाएगी की एक हादसा था या फिर षड्यंत्र। महाकुंभ में मौनी अमावस्या के दौरान मची भगदड़ के पीछे साजिश की आशंका जताई जा रही है। जो भी हो सरकार घटनाक्रम की तह तक जाने के लिए अब अपने श्रेष्ठ सुरक्षा सूत्रों को कार्य पर लगा चुकी है। कहा जा रहा है कि प्रारंभिक तौर पर लगभग 120 ऐसे संदिग्ध चेहरे चिन्हित किए गए हैं जो मौनी अमावस्या के दौरान शाही स्नान पर महाकुंभ में गड़बड़ी फैलाने की उद्देश्य से ही नियोजित किए गए थे। यदि सरकार की यह आशंकाएं सही है तो यह बेहद चिंता का विषय है कि अपने ही देश के अंदर किसी बड़े धार्मिक आयोजन की सफलता में व्यवधान डालने के लिए एक बड़ा समूह कुछ भी कर गुजरने के लिए तैयार है। जाहिर है कि इसके पीछे महा आयोजन में भय व्याप्त करना और सरकार को महाआयोजन आयोजित करने में असफल दिखाना ही मुख्य उद्देश्य हो सकता है। जांच एजेंसी की यह आशंका निर्मूल नहीं है बल्कि इसके पीछे आयोजन स्थल पर ऐसे सक्रिय मोबाइल नंबर है जो भगदड़ के बाद रहस्यमय तरीके से बंद भी हो गए। यह जानना बेहद जरूरी है कि आखिर इस पूरे घटनाक्रम के पीछे वह कौन सी साजिशें हैं जो श्रद्धालुओं की जान से खिलवाड़ करने से भी पीछे नहीं हटी और वह कौन मास्टरमाइंड षड्यंत्रकारी हैं जिसने सौ से अधिक लोगों को महाकुंभ के शाही स्नान में भगदड़ गड़बड़ी पैदा करने के लिए भेजा था? मुख्यमंत्री योगी इस प्रकरण को लेकर बेहद गंभीर है और यही कारण है कि बसंत पंचमी के अवसर पर वे खुद पूरे महाकुंभ आयोजन पर नजर रखे हुए थे। पूरा देश यह जानना चाहता है कि महाकुंभ के दौरान मची भगदड़ में आखिर कितने लोग मारे गए और वह क्या कारण थे की इतना सब कुछ व्यवस्थित होने के बाद भी ऐसा बड़ा हादसा हो गया जिसने महाकुंभ के इतिहास में एक काला अध्याय भी जोड़ दिया।

संविधान बचाने के नाम पर राजनीतिक नूराकुश्ती

लोकसभा सांसदों के शपथ लेने के वक्त देश ने देखा कि विपक्षी सांसदों ने संविधान हाथ में लेकर प्रदर्शित किया। हालांकि विपक्षी खेमे में संविधान की किताब के रंग का अंतर रहा। कांग्रेस के सांसदों ने संविधान के लाल रंग की प्रति प्रदर्शित करते हुए शपथ ली, तो गैर कांग्रेसी सांसदों के हाथों में नीले रंग वाली संविधान की प्रति थी। वायनाड से जीतकर संसद पहुंची प्रियंका ने भी इस परंपरा को जिंदा रखा। बहरहाल यह सवाल उठना लाजमी है कि क्या सचमुच संविधान खतरे में है। भारत का संसदीय जनतंत्र जिस मुकाम पर पहुंच गया है, भारत की न्याय व्यवस्था ने जिस तरह की स्वायत्त ताकत हासिल कर ली है, मौजूदा परिस्थितियों में किसी भी राजनीतिक दल के लिए संविधान को खारिज कर पाना संभव नहीं है।

उमेश चतुर्वेदी

संविधान बचाने की सियासी लड़ाई किस मंजिल पर पहुंच गयी है, इसका अंदाजा बीते 19 दिसंबर को संसद परिसर में हुई घटनाओं से लगाया जा सकता है। संसदीय इतिहास में यह पहला मौका रहा, जब सत्ता पक्ष और विपक्ष के सांसद न सिर्फ आमने–सामने आये, बल्कि धक्का–मुक्की भी हुई, जिसमें भाजपा के दो सांसद चोटिल हो गये। धक्का–मुकी का आरोप नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर लगा है। उन पर नगालैंड की महिला भाजपा सांसद फांगनान कोन्याक ने बदसलूकी करने का आरोप लगा।

वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव के बाद से संसदीय राजनीति में नरेंद्र मोदी अजेय योद्धा के रूप में उभरे हैं। इसके बाद भाजपा जैसे चुनाव जीतने की मशीन बन गयी। उत्तर पूर्व के कुछ राज्यों, कर्नाटक, तेलंगाना, हिमाचल, झारखंड, पश्चिम बंगाल आदि को छोड़ दें, तो नरेंद्र मोदी की अगुवाई में भाजपा चुनाव जीतने का रिकॉर्ड बनाती रही है। स्वाधीनता के बाद के करीब चार दशक तक ऐसी स्थिति सिर्फ कांग्रेस की ही रही। भाजपा इस दौर में तकरीबन अजेय पार्टी के रूप में उभरी है। ऐसे में स्वाभाविक है कि उसे सियासी मात देने के लिए विपक्षी खेमा मुद्दों और मौकों की खोज करता। विपक्ष की खोज 'खतरे में संविधान' के मुद्दे पर खत्म हुई। इस कथित खतरे को विपक्ष ने बीते लोकसभा चुनाव में इतना तूल दिया कि भाजपा बहुमत के आंकड़े से दूर रह गया। इस मुद्दे को जिंदा रखने की कोशिश तब से विपक्ष लगातार कर रहा है।

लोकसभा सांसदों के शपथ लेने के वक्त देश ने देखा कि विपक्षी सांसदों ने संविधान हाथ में लेकर प्रदर्शित किया। हालांकि विपक्षी खेमे में संविधान की किताब के रंग का अंतर रहा। कांग्रेस के सांसदों ने संविधान के लाल रंग की प्रति प्रदर्शित करते हुए शपथ ली, तो गैर कांग्रेसी सांसदों के हाथों में नीले रंग वाली संविधान की प्रति थी। वायनाड से जीतकर संसद पहुंची प्रियंका ने भी इस परंपरा को जिंदा रखा। बहरहाल यह सवाल उठना लाजमी है कि क्या सचमुच संविधान खतरे में है। भारत का संसदीय जनतंत्र जिस मुकाम पर पहुंच गया है, भारत की न्याय व्यवस्था ने जिस तरह की स्वायत्त ताकत हासिल कर ली है, मौजूदा परिस्थितियों में किसी भी राजनीतिक दल

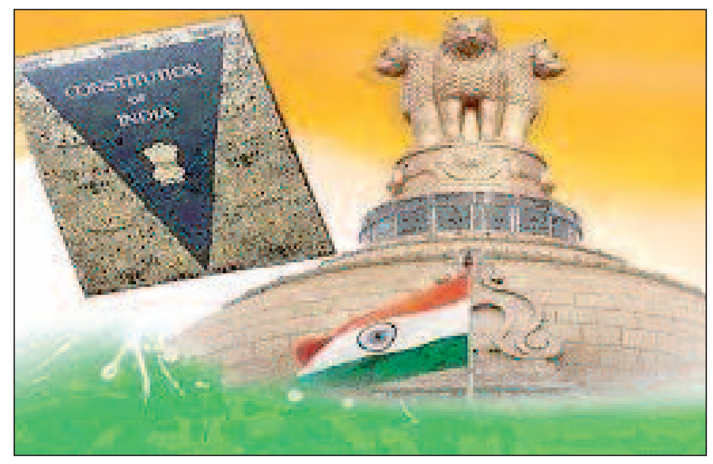

के लिए संविधान को खारिज कर पाना संभव नहीं है।

संवैधानिक ताकत और प्रावधान होने के बावजूद अपार बहुमत प्राप्त सरकार भी शायद ही दोबारा आपातकाल लगाने की हिम्मत दिखा सके। ऐसे में 'खतरे में संविधान' की बात करना ही बेमानी है। लेकिन विपक्ष ने जिस तरह का हल्ला मचा रखा है,उससे इतना जरूर हुआ है कि आर्थिक और सामाजिक रूप से कमजोर तबके के एक वर्ग को विपक्षी रट में सच्चाई दिखने लगी है। इस सच्चाई का ही प्रतीक है बीते लोकसभा चुनाव के नतीजे। विपक्षी खेमा अक्सर प्रधानमंत्री मोदी को जुमलेबाज बताकर उनकी आलोचना करता है। लेकिन'संविधान बचाने की रट'भी एक तरह की जुमलेबाजी ही है। विपक्ष ऐसा कर क्यों रहा है? इसके लिए कांग्रेस की राजनीतिक कामयाबी के इतिहास को देखना होगा।

इंदिरा गांधी की हत्या से उपजी सहानुभूति लहर को छोड़ दें, तो मोटे तौर पर कांग्रेस जातीय गणित का समीकरण साधकर राजनीतिक जीत हासिल करती रही। अतीत में कांग्रेस का आधार वोट बैंक दलित, ब्राह्मण और मुस्लिम समुदाय रहा। देश में करीब सात से आठ प्रतिशत ब्राह्मण मतदाता हैं, जबकि करीब 17 फीसदी दलित और करीब 14 प्रतिशत मुस्लिम वोटर हैं। समाजवादी राजनीति के उभार के बाद देश के अन्य पिछड़ा वर्ग के करीब 45 फीसदी वोटरों में से ज्यादा पर समाजवादी राजनीति की पकड़ रही। समाजवादी राजनीति के तेज उभार के बाद मुस्लिम वोटरों का बड़ा हिस्सा जहां इस ओर बढ़ा, वहीं दलित वोट बैंक पर कांशीराम और दूसरे नेताओं की नयी सामाजिक कीमियागीरी ने कब्जा कर लिया। इसलिए पिछली सदी के 90 के दशक से कांग्रेस का वोट बैंक खिसकता चला गया।

नयी सदी के दूसरे दशक में मोदी और अमित शाह की अगुवाई में सामने आयी भाजपा ने इस पूरे वोट समीकरण को ही तहस–नहस कर दिया। भाजपा ने जहां इसके दलित वोट बैंक में सेंध लगायी, वहीं अति पिछड़े वर्ग को अपने पाले में किया। अब तो तकरीबन पूरे देश के सवर्ण समुदाय में उसकी पकड़ बन गयी है, बावजूद इसके कि उसकी पूरी राजनीति दलित और पिछड़ा केंद्रित हो गयी है। भाजपा की इस सामाजिक कीमियागीरी का ही असर रहा कि उसके करीब 75 सांसद चुनाव जीतकर संसद पहुंचे।

भाजपा को मात देने की कोशिश में जुटी कांग्रेस और उसकी अगुवाई वाले विपक्ष को लगता है कि जब तक वह दलित वोट बैंक को लेकर भाजपा पर निशाना साधेगी, तब तक वह विजेता बनकर नहीं उभर पायेगी। यही वजह है कि 2014 से ही दलित केंद्रित राजनीति को लेकर भाजपा को घेरने की कोशिश जारी है। हाल के कुछ वर्षों में डॉ भीमराव आंबेडकर दलित राजनीति के बड़े चेहरे के तौर पर स्वीकार्य हुए हैं। इसलिए आंबेडकर को लेकर भी राजनीति तेज हो गयी है। भाजपा ने आंबेडकर की वैचारिकी को स्वीकार कर लिया, तो कांग्रेस भी अब उसी ओर आगे बढ़ चुकी है। संसद सत्र में आंबेडकर को लेकर हुई राजनीतिक कुश्ती दरअसल इसी प्रक्रिया का परिणाम है।

चूंकि कांग्रेस और उसकी छतरी के नीचे खड़े विपक्ष को लगता है कि आंबेडकर का अपमान और संविधान की रक्षा का नारा दलितों के मर्म को छूता है, इसलिए वह इस मुद्दे को तूल दे रहा है। वहीं भाजपा को भी लगता है कि अगर उसने इस मुद्दे के साथ ढिलाई बरती और कांग्रेसी कठघरे में वह खड़ी दिखी, तो उसका सारा श्रम बेकार चला जायेगा। खून–पसीने से खड़ा उसका दलित और अति पिछड़ा वोट बैंक बिखर जायेगा। भारतीय संविधान के निर्माता के रूप में आंबेडकर स्थापित हो चुके हैं। इसे स्वीकार किया जा चुका है। इस स्वीकार्यता में संविधान का मूल मसविदा तैयार करने वाले आंध्र प्रदेश के वकील बीएन राव की मेहनत कहीं किनारे खिसका दी गयी है। संविधान सभा के 389 सदस्यों का श्रम और उनके विचार भी भुला दिये गये। वैसे ये सब इतिहास के तथ्य हैं। इतिहास तथ्यों के साथ आगे बढ़ता है, तो उससे भविष्य की तसवीर साफ दिखती है। लेकिन वह जब धारणा पर चलने लगता है, तो उसकी अपने हिसाब से व्याख्या की गुंजाइश बन जाती है। इतिहास को इस तरह से अतीत में कांग्रेस की अगुवाई में प्रगतिशील खेमा प्रस्तुत करता रहा है, जो अब परिपाटी ही बन गयी है। इसी का नतीजा है कि 'संविधान बचाओ' के सच को जानने की कोशिश कम हो रही है।

ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर का हब बनता भारत

डॉ जयंतीलाल

हाल ही में नैसकॉम और जिनोव की ओर से जारी इंडिया जीसीसी, लैंडस्केप रिपोर्ट के अनुसार, ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी) के लिए भारत दुनिया का सबसे बड़ा हब बनते हुए दिखाई दे रहा है। फिलहाल देश में 1700 जीसीसी हैं जिनसे 20 लाख से अधिक लोगों को रोजगार मिल रहा है। देश में जीसीसी का बाजार आकार 5।4 लाख करोड़ रुपये का है और यह 2030 तक 8।4 लाख करोड़ रुपये का हो जायेगा। दुनिया के 50 प्रतिशत जीसीसी केवल भारत में हैं। भारतीय जीडीपी में भारत के जीसीसी का योगदान एक प्रतिशत है और 2030 तक यह 3। 5 प्रतिशत हो जायेगा। ज्ञातव्य है कि ग्लोबल कैपैबिलिटी सेंटर या जीसीसी जॉब मार्केट में नया चलन है। ये आइटी सपोर्ट, कस्टमर सर्विस, फाइनेंस, एचआर और रिसर्च एंड डेवलपमेंट पर ध्यान केंद्रित करती हैं।

इन दिनों पूरी दुनिया में विभिन्न देशों की सरकारें भी जीसीसी और ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स को ध्यान में रख अपने वैश्विक उद्योग–कारोबार के रिश्तों के लिए नीति बनाने की डगर पर बढ़ रही हैं। भारत में इंटरनेट ऑफ थिंग्स, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डेटा एनालिटिक्स जैसे क्षेत्रों में शोध एवं विकास और जबरदस्त स्टार्ट–अप माहौल के चलते अमेरिका, यूरोप और एशियाई देशों की बड़ी–बड़ी कंपनियां अपने ग्लोबल इन हाउस सेंटर (जीआइसी) तेजी से शुरू करती दिखाई दे रही हैं। ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स के तेजी से बढ़ने से भारत में ख्याति प्राप्त वैश्विक फाइनेंस और कॉमर्स कंपनियां अपने कदम तेजी से बढ़ा रही हैं। पूरी दुनिया में मेड इन इंडिया और ब्रांड इंडिया की चमकीली पहचान बन रही है। इसमें कोई दो मत नहीं है कि दुनिया की बड़ी कंपनियों द्वारा जीसीसी से देश के टैलेंट पूल के इस्तेमाल और देश को दुनिया की प्रमुख ज्ञान आधारित व सेवा प्रधान अर्थव्यवस्था बनाने में बौद्धिक संपदा, शोध और नवाचार का योगदान लगातार बढ़ता जा रहा है।

हाल ही में विश्व बौद्धिक संपदा संगठन (डब्ल्यूआइपीओ) द्वारा प्रकाशित विश्व बौद्धिक संपदा संकेतक (डब्ल्यूआइपीआइ) रिपोर्ट 2024 के मुताबिक, भारत ने तीन प्रमुख बौद्धिक संपदा अधिकारों (आइपी)– पेटेंट, ट्रेडमार्क और औद्योगिक डिजाइनों के लिए वैश्विक स्तर पर शीर्ष 10 देशों में स्थान प्राप्त किया है। बौद्धिक संपदा में आविष्कार, रचनात्मक कार्य, कलात्मक कार्य, डिजाइन, कॉपीराइट, पेटेंट, ट्रेडमार्क, शोध व नवाचार शामिल हैं। दुनियाभर में यह रेखांकित हो रहा है कि भारत ने कॉपीराइट अधिकारों के उल्लंघन पर गतिशील निषेधात्मक आदेश जारी कर कॉपीराइट की नकल रोकने के सशक्त प्रयास किये हैं।

इस रिपोर्ट के अनुसार पेटेंट के लिए भारत 64,480 आवेदनों के साथ विश्व स्तर पर छठे स्थान पर है। पेटेंट कार्यालय ने वर्ष 2022 की तुलना में 2023 में 149।4 प्रतिशत अधिक पेटेंट भी प्रदान किये। रिपोर्ट में भारत के औद्योगिक डिजाइन अनुप्रयोगों में 36।4 प्रतिशत वृद्धि को भी दर्शाया गया है जो भारत में उत्पाद डिजाइन, विनिर्माण और रचनात्मक उद्योगों की वृद्धि के अनुरूप है। वर्ष 2018 और 2023 के बीच, पेटेंट और औद्योगिक डिजाइन आवेदन दोगुने से अधिक हो गये, जबकि ट्रेडमार्क दाखिल करने में 60 प्रतिशत की वृद्धि हुई। वैश्विक स्तर पर भारत ट्रेडमार्क फाइलिंग में चौथे स्थान पर है, जिसमें 2023 में 6।1 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

भारत का ट्रेडमार्क कार्यालय दुनियाभर में सक्रिय पंजीकरण के मामले में दूसरे स्थान पर है। इसमें 32 लाख से अधिक ट्रेडमार्क प्रभावी हैं, जो वैश्विक तौर पर ब्रांड संरक्षण में देश की मजबूत स्थिति को दर्शाता है। इसी तरह बौद्धिक संपदा, शोध एवं नवाचार से जुड़े अन्य वैश्विक संगठनों की रिपोर्टों में भी भारत लगातार ऊंचाई प्राप्त करते हुए दिखाई दे रहा है।

सही दिशा में बच्चों की पढ़ाई

एनुअल स्टेटस ऑफ एजुकेशन रिपोर्ट (असर) 2024 मंगलवार को नयी दिल्ली में जारी हुई। रिपोर्ट के अनुसार, छह से चौदह वर्ष के बच्चों के पढ़ने की क्षमता और गणितीय कौशल में कोरोना महामारी के बाद सुधार हुआ है। इन सबमें सरकारी स्कूलों ने अच्छी भूमिका निभायी है। सरकारी स्कूलों में तीसरी कक्षा के बच्चों के पढ़ने की बुनियादी क्षमता पहले से काफी बेहतर हुई है और यह 20 वर्ष के अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गयी है। अब तीसरी कक्षा के 23।4 प्रतिशत बच्चे दूसरी कक्षा की पुस्तकें पढ़ सकते हैं, जबकि 2022 में यह आंकड़ा 16।3 प्रतिशत और कोरोना पूर्व काल में (2018 में) 20।9 प्रतिशत था। वहीं सरकारी और निजी दोनों ही स्कूलों के बच्चों के बुनियादी गणितीय कौशल में भी बेहतरी देखने को मिली है और यह एक दशक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गयी है। अब कक्षा तीन के बच्चे कम से कम घटाव के प्रश्न हल कर सकते हैं। वहीं कक्षा पांच के बच्चे भाग के प्रश्न को हल कर सकते हैं। देशभर में सीखने के स्तर में भी तेजी से सुधार आया है। सीखने का यह स्तर 2010 तक स्थिर रहा था और इसके बाद इसमें गिरावट आने लगी थी। हालांकि 2014 से 2018 के बीच बच्चों की सीखने की क्षमता में थोड़ा सुधार देखने को मिला, पर कोरोना काल ने इन सब पर तुषारापात कर दिया। स्कूलों के बंद होने और अधिकांश बच्चों के पास स्मार्टफोन न होने या घर में एक ही स्मार्टफोन होने, माता–पिता के अनपढ़ या कम पढ़े–लिखे होने जैसे कारणों ने भी बच्चों के सीखने के बुनियादी कौशल को बुरी तरह प्रभावित किया। बच्चों ने जो कुछ भी पहले पढ़ा–सीखा था, वे उसे भूल गये। रिपोर्ट के अनुसार, बच्चों के स्कूलों व अन्य शैक्षणिक केंद्रों में नामांकन प्रतिशत में भी वृद्धि दर्ज हुई है। डिजिटल साक्षरता की दर में भी बढ़ोतरी हुई है। यह सुखद समाचार है कि छात्र कोरोना काल से उबर कर आगे बढ़ रहे हैं। सरकारी स्कूलों में भी अब पढ़ाई को लेकर थोड़ी गंभीरता आयी है। शिक्षक भी अपना काम पूरी मुस्तैदी से कर रहे हैं। यह रिपोर्ट यह संकेत कर रही है कि बच्चे, विशेषकर उनके परिवार वालों को शिक्षा का महत्व समझ आ रहा है।

पर्दे पर फिर से नजर आएंगे इंदर और सुरु

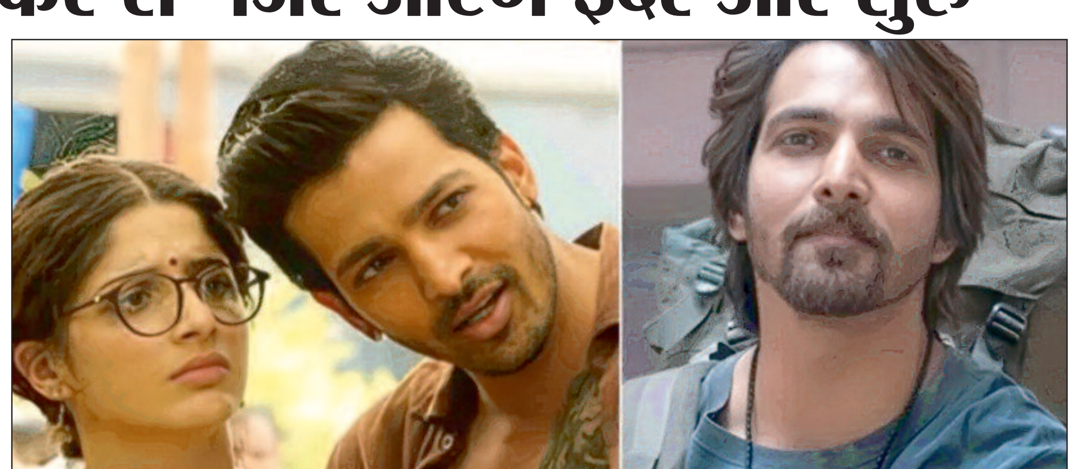

हर्षवर्धन राणे और मावरा होकेन स्टारर रोमांटिक फिल्म सनम तेरी कसम सिनेमाघरों में फिर से रिलीज होगी। फिल्म निर्माताओं ने बताया कि प्रशंसकों की मांग पर 7 फरवरी को एक बार फिर से इंदर और सुरु की कहानी दिखाई जाएगी। साल 2016 में रिलीज हुई हर्षवर्धन राणे और मावरा होकेन की फिल्म ह्यसनम तेरी कसमह्न को दर्शकों का ढेर सारा प्यार मिला। फिल्म को प्रशंसकों से मिले प्यार पर अभिनेता हर्षवर्धन राणे ने कहा, ह्यसनम तेरी कसमह्न के लिए प्यार कभी कम नहीं हुआ। फिल्म की री–रिलीज को लेकर देश के कई हिस्सों से प्रशंसकों की अपील को देखना उत्साहजनक है। इस फिल्म ने मुझे बहुत कुछ दिया है और एक बार फिर से बड़े पर्दे पर इसके जादू को देखना एक ऐसी भावना है जिसे मैं शब्दों में बयां नहीं कर सकता। इस प्रेम कहानी को जिंदा रखने के लिए धन्यवाद !फिल्म निर्माता दीपक मुकुट ने आभार व्यक्त करते हुए कहा, जब से ह्यसनम तेरी कसमह्न रिलीज हुई, इसने लोगों के दिलों में जगह बना ली। रिलीज के इतने सालों बाद भी प्रशंसकों ने इसके फिर से रिलीज होने के लिए जोर दिया है, यह इस बात का सबूत है कि इसका कितना प्रभाव पड़ा है। हम इसे 7 फरवरी को सिनेमाघरों में फिर से रिलीज करने के लिए उत्साहित हैं। मुझे उम्मीद है कि पुराने और नए दोनों दर्शक एक बार फिर इसके सदाबहार रोमांस का अनुभव करेंगे। जानकारी के अनुसार सनम तेरी कसम की री–रिलीज को लेकर बिहार समेत देश के कई हिस्सों से प्रशंसकों ने मांग करते हुए प्यार का इजहार किया।

एटीपी टूर: मेदवेदेव ने कड़े मुकाबले में वावरिंका को हराया

रोटर्डम, विश्व के सातवें नंबर के खिलाड़ी दानिल मेदवेदेव ने कड़ी चुनौती पेश की और दो पूर्व विजेताओं के बीच मुकाबले में स्विस स्टार स्टेन वावरिंका को हराकर एटीपी रोटर्डम ओपन में वापसी की। दूसरे वरीय खिलाड़ी ने पहले सेट में दो सेट प्वाइंट गंवाने के बावजूद साथी पूर्व चैंपियन वावरिंका पर 6–7(8), 6–4, 6–1 से रोमांचक जीत दर्ज की। हालांकि, उन्होंने 2023 में खिताब जीतने के बाद पहली बार इंडोर हार्ड–कोर्ट एटीपी 500 इवेंट में दूसरे दौर में प्रवेश करने के लिए अच्छी वापसी की। इवेंट के राउंड ऑफ 32 के अन्य मैचों में, वाइल्डकार्ड पर खेल रहे छठे वरीय यूनानी खिलाडी स्टेफानोस सितसिपास ने फ्रांस के क्वालीफायर हेरोल्ड मेयोट को सीधे सेटों में 6–1,7–5 से हराया, जबकि पोलैंड के आठवें वरीय ह्यूबर्ट हर्काज़ ने सेंटर कोर्ट पर 77 मिनट तक चले मुकाबले में इटली के फ्लेवियो कैबोली को 6–3,6–2 से हराया। इटली के क्वालीफायर मटिया बेलुची ने सोमवार रात को नीदरलैंड के मीस रोटगेरिंग को राउंड ऑफ 32 के एक अन्य मुकाबले में 6–3, 6–2 से हराकर प्री–क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। मेदवेदेव बनाम वावरिंका मुकाबले पर ध्यान केंद्रित था, क्योंकि दोनों पूर्व चैंपियन हैं और मेदवेदेव कुछ वर्षों के बाद इस इवेंट में वापस आ रहे थे।

भारतीय क्रिकेट का यही सार है, टीम में चल रही फूट की खबरों पर गौतम गंभीर ने तोड़ी चुप्पी

नईदिल्ली, टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर ने आखिरकार चुप्पी तोड़ते हुए भारत के ड्रेसिंग रूम में फूट की खबरों पर प्रतिक्रिया दी है. उन्होंने बताया कि इन खबरों के पीछे क्या सच्चाई है. असल में, पिछले कुछ वक्त से ऐसी खबरें आ रही हैं कि भारतीय ड्रेसिंग रूम में अलग–अलग ग्रुप बन गए हैं.

साथ ही रिपोर्ट्स के हवाले से दावा किया जा रहा है कि कप्तान रोहित शर्मा की कोच और चीफ सिलेक्टर से नहीं बन रही है. टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर अपने बेबाक अंदाज के लिए पहचाने जाते हैं. वह अपनी बातों को रखने से नहीं घबराते और हर बात को साफ–साफ कहने में यकीन रखते हैं. अब जबकि भारतीय ड्रेसिंग रूम में फूट को लेकर खबरें आ रही हैं, तो उन्होंने इसपर भी प्रतिक्रिया दी. गौतम गंभीर ने ड्रेसिंग रूम के माहौल को लेकर कहा, सबसे अहम बात यह है कि एक महीने पहले, कुछ अफवाहें उड़ रही थीं (हंसते हुए)..

भारतीय क्रिकेट का यही सार है. जब चीजें ठीक नहीं चल रही होती हैं तो ड्रेसिंग रूम के बारे में बहुत सी बातें कही जाती हैं. लेकिन एक बार जब नतीजे आपके पक्ष में आने लगते हैं, तो चीजें सही होने लगती हैं. टीम इंडिया और इंग्लैंड के बीच 5 मैचों की टी–20 सीरीज खेली गई, जिसे मेजबान भारतीय टीम ने 4–1 से जीतकर अपने नाम कर लिया. आपको बता दें, ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टीम इंडिया को 3–1 से शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा था और 10 साल बाद बीजीटी ट्रॉफी गंवानी पड़ी थी, 19 फरवरी से चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की शुरुआत होने वाली है, जिसमें भारतीय टीम खिताबी जीत की प्रबल दावेदार की तरह एंट्री करेगी.

अक्षय कुमार की फिल्म स्काई फोर्स की रफ्तार बरकरार

अक्षय कुमार की 24 जनवरी को रिलीज की गई फिल्म स्काई फोर्स को सिनेमाघरों में आज 9वां दिन है. इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी ओपनिंग ली और गणतंत्र दिवस के मौके पर बंपर कमाई की. फिल्म का बॉक्स ऑफिस पर प्रदर्शन देखकर अक्षय कुमार के फैंस ने भी राहत की सांस ली है, क्योंकि इस फिल्म के साथ ही उनका फ्लॉप फिल्मों का सिलसिला अब खत्म होता नजर आ रहा है. तो चलिए जानते हैं कि फिल्म ने अभी तक कितनी कमाई कर ली है और कितना कमाने के बाद फिल्म अपने बजट निकाल पाएगी. फिल्म को स्त्री 2 और भेडिया जैसी फिल्में बनाने वाले प्रोडक्शन हाउस मैडॉक फिल्म्स के बैनर तले बनाया गया है. प्रोडक्शन हाउस के ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर फिल्म की पिछले 9 दिनों की कमाई से जुड़े ऑफिशियल आंकड़े शेयर किए गए हैं. इसके मुताबिक, फिल्म ने पहले हफ्ते में 99.7 करोड़ कमाए थे. वहीं 8वें और 9वें दिन फिल्म का कलेक्शन 4.6 करोड़ और 7.4 करोड़ रुपये रहा. यानी कल फिल्म की कमाई में इजाफा हुआ. और इस तरह से फिल्म ने 9 दिनों में 111.7 करोड़ रुपये कमा लिए.फिल्म को करीब 160 करोड़ रुपये के बजट में तैयार किया गया है.

अनुपमा का हिस्सा बनना सपना सच होने जैसा : अद्रिजा रॉय

अभिनेत्री अद्रिजा रॉय लोकप्रिय टीवी शो अनुपमा में काम करने को लेकर उत्साहित हैं। शो में अभिनेत्री के किरदार का नाम राही है। उन्होंने बताया कि उनके और उनके किरदार के बीच बहुत सी समानताएं हैं और अनुपमा में काम करना सपना सच होने जैसा है। अद्रिजा रॉय ने कहा, राही और अद्रिजा के बीच बहुत सी समानताएं हैं। वह व्यावहारिक है, हर चीज को समझने की कोशिश करती है और वह अपनी मां से प्यार करती है। मैं बहुत सी चीजों से खुद को जोड़ पाती हूं। शुरुआत से ही मुझे इस किरदार में ढलने में ज्यादा समय नहीं लगा, क्योंकि कुछ अलग सोचने की जरूरत नहीं है। इस पीढ़ी की कोई भी लडक़ी परिस्थितियों पर जिस तरह रिएक्ट करती है, उसी तरह राही (चरित्र) भी रिएक्ट करती है। मुझे लगता है कि यह एक प्लस प्वाइंट है। उन्होंने सह–कलाकार शिवम खजूरिया के साथ स्क्रीन स्पेस शेयर करने के बारे में भी बात की।

कोंस्टास को टेस्ट टीम में नहीं मिली जगह, पूर्व क्रिकेटर इयान हीली ने कोंस्टास को घर भेजने वाली मांग का समर्थन किया

नई दिल्ली, आस्ट्रेलिया के महान क्रिकेटर इयान हीली ने भी सैम कोंस्टास को श्रीलंका दौरे से वापस घर भेजने की मांग का समर्थन किया है, ताकि यह युवा खिलाड़ी इस साल के अंत में होने वाली विश्व टेस्ट चैंपियनशिप से पहले कुछ महत्वपूर्ण शेफील्ड शील्ड मैच खेल सके।कोंस्टास ने हाल ही में बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी सीरीज में शानदार डेब्यू प्रदर्शन करके धूम मचा दी थी। उनकी बल्लेबाजी की धार ने काफी सुर्खियां भी बटोरी थीं। भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के साथ उनका सामना यादगार रहा। हालांकि, बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी के आखिरी दो टेस्ट में खेलने के बाद 19

वर्षीय खिलाड़ी को गाले में श्रीलंका के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया टीम में जगह नहीं मिली है। कोंस्टास की जगह जोश इंगलिस ने जगह बनाई, जबकि ट्रेविस हेड ने ओपनिंग की। ऑस्ट्रेलिया ने श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट में जीत हासिल की। ऑस्ट्रेलिया ने गाले में मेजबान टीम पर दबदबा बनाया , इसलिए गुरुवार से शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट के लिए टीम में कोई बदलाव करने की संभावना नहीं है। इयान हीली का मानना है कि कोंस्टास को शेफील्ड शील्ड में न्यू साउथ वेल्स के लिए खेलने के लिए स्वदेश लौटना चाहिए, ताकि विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल से पहले उन्हें रेड–बॉल का अधिक अनुभव मिल सके।

हीली ने कहा, आप टेस्ट टीम में सिर्फ मौके नहीं देते, इसलिए जब तक सभी फिट हैं, तब तक वही टीम रहेगी। ऑस्ट्रेलिया की टीम वही रहेगी, और मुझे यह विचार (कोंस्टास को प्रथम श्रेणी खेलने के लिए घर भेजने का) पसंद आया।

संक्षिप्त समाचार

पैतृक संपत्ति को लेकर हुआ विवाद बहन के सिर पर मारा ताला

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : कोटद्वार नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत हरसिंहपुर में एक भाई ने अपनी बहन के सिर पर ताला मार उसे घायल कर दिया। हरसिंहपुर निवासी अनीता का पैतृक संपत्ति को लेकर अपने भाई अनिल से विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि अनिल ने अपनी बहन अनीता के सिर पर ताले से वार कर दिया। घायल अनीता को राजकीय बेस चिकित्सालय में भर्ती करवा दिया है।

बच्चों को व्यावसायिक शिक्षा के बारे में बताया

रुद्रप्रयाग : जखोली ब्लॉक में पीएम श्री राजकीय इंटर कालेज पौंठी सिलगढ़ में तीन दिवसीय तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा उद्यमिता विकास प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का आयोजन जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान रतूड़ा रुद्रप्रयाग की ओर से किया गया। कार्यशाला में केदारा इनोवेशन संस्था के सहयोग से बच्चों ने केदारनाथ व बद्रीनाथ मंदिरों के मॉडल बनाने के साथ ही पेन स्टैंड, कार हैंगिंग और अन्य कई प्रकार के सजावटी सामान बनाने के गूर सीखे। इस तीन दिवसीय कार्यशाला में पी एम श्री राआइंका पौंठी, राउप्रावि पौंठी व राप्रावि चौंरा के छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया है। कार्यक्रम में सहायक निदेशक वित्त मंत्रालय भारत सरकार से डा. हरीश द्वारा ऑनलाइन संदेश के माध्यम से विद्यालय के बच्चों को कार्यशाला में प्रतिभाग करने हेतु बधाई देते हुए भावी जीवन में इस कौशल का उपयोग कर अपने जीवन में उद्यमिता के रूप में अपनाने पर जोर दिया। इस अवसर पर डायट रतूड़ा से डॉ. विनोद कुमार यादव, विजय चौधरी, केदारा इनोवेशन संस्था से भास्कर पुरोहित, करिश्मा, अनीषा, राआइंका पौंठी से प्रधानाचार्य पंकज भट्ट, दीपेन्द्र नेगी, प्रह्लाद सिंह राणा, उत्तम राणा सहित विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष राजेन्द्र सिंह राणा का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक दीपेन्द्र सिंह नेगी ने किया है। (एजेंसी)

टिहरी जिले के चार शिक्षक मध्य प्रदेश में सम्मानित

नई टिहरी : शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए उत्तराखंड के 9 शिक्षकों को मध्य प्रदेश में डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम राष्ट्रीय नवाचारी शिक्षक सम्मान से नवाजा गया। जिनमें टिहरी जिले के चार शिक्षक भी शामिल हैं। शिक्षकों ने कहा कि इस सम्मान से जिम्मेदारी और भी बढ़ गई है।

शिक्षा सागर फाउंडेशन मध्य प्रदेश ने टिहरी जिले के राजकीय प्राथमिक विद्यालय भैंस्यारौ की प्रधानाध्यापिका सरोज बाला सेमवाल, शिक्षक नंदी बहुगुणा, उमा, तेजोमई बधानी को सम्मानित किया। टीम के फाउंडर शैलेश प्रजापति ने कहा कि पूरे भारत से शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों को एक सूत्र में पिरोने के लिए फाउंडेशन शिक्षकों के आत्म सम्मान में वृद्धि करने कार्य करता आया है। कहा कि शिक्षक समाज निर्माण के मजबूत स्तंभ है।

डीईओ माध्यमिक ने किया निर्माणाधीन भवन का निरीक्षण

नई टिहरी : जिला शिक्षाधिकारी माध्यमिक बीपी सिंह ने नरेंद्रनगर ब्लॉक के क्लस्टर विद्यालय जीआईसी भैंस्यारौ के निर्माणाधीन भवन का निरीक्षण किया। निर्माण एजेंसी के कार्मिकों ने बताया कि 90 फीसदी कार्य पूरा हो गया है। जल्द ही अवशेष कार्य को पूरा किया जाएगा। मंगलवार को डीईओ माध्यमिक ने जीआईसी भैंस्यारौ के भवन निर्माण की प्रगति देखी। स्कूल में दो प्रयोगशाला कक्ष और एक अतिरिक्त कक्ष का नव निर्माण कार्य चल रहा है।

स्वाद चढ़ी कंडाली (बिच्छू बूटी), रोजगार का बनी साधन

कोटद्वार में बद्रीनाथ मार्ग में दुकान में बिक्री के लिए रखी गई कंडाली

कोटद्वार बाजार में 60 से 80 रुपये किलो बिक रही कंडाली

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : औषधीय गुणों से भरपूर कंडाली (बिच्छू बूटी) इन दिनों पहाड़ियों के लिए एक बेहतर रोजगार का साधन बन रही है। पहाड़ से मैदान पहुंच रही कंडाली हाथों-हाथ 60 से 80 रुपये किलो तक बिक रही है। दिल्ली, गुरुग्राम, देहरादून सहित अन्य मैदानी क्षेत्रों से आने वाले प्रवासियों के बीच कंडाली काफी लोकप्रिय बनी हुई है।

कंडाली पहाड़ के मुख्य भोजन में से एक है। आयरन, विटामिन सी, विटामिन ए सहित कई अन्य औषधीय गुणों से भरपूर कंडाली की डिमांड ठंड के मौसम में अधिक बढ़ जाती है। यही कारण है कि इन दिनों पहाड़ से मैदान में खूब कंडाली बिकने के लिए पहुंच रही है। बदरीनाथ मार्ग पर पहाड़ी सब्जियों की दुकान लगाने वाले राजेंद्र ने बताया कि वह पिछले एक सप्ताह से प्रतिदिन कंडाली लेकर आ रहे हैं।

कई लोग तो उन्हें फोन पर ही कंडाली का आर्डर दे देते हैं। दुकान में कंडाली लगते ही वह हाथो-हाथ बिक रही है। कोटद्वार से दिल्ली व अन्य बड़े शहरों की ओर जाने वाले प्रवासियों की अधिक डिमांड आ रही है।

औषधीय गुणों से भरपूर है कंडाली

कंडाली खनिज व विटामिन का भंडार हैं। कंडाली में लौह तत्व की भरपूर मात्रा होती है, जो शरीर में खून की कमी पूरा करती है। कंडाली शरीर की एसीडिक प्रवृत्ति को समाप्त करता है। पीलिया, पेट की बीमारी, खांसी, जुकाम, बलगम, गठिया, एलर्जी के साथ ही कई अन्य बीमारियों का कंडाली रामबाण उपचार है। कोराना काल में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए कंडाली की सबसे अधिक डिमांड थी।

रोजगार का साधन बनी कंडाली

ठंड के मौसम में कंडाली ग्रामीणों के लिए बेहतर रोजगार का भी साधन बन रही है। कई लोग स्पेशल कंडाली लेने के लिए गांव जा रहे हैं। यही नहीं द्वारीखाल ब्लाक के कई गांव में कंडाली की चायपत्ती भी बनाई जा रही है। वहीं, मैदान में पहाड़ी सब्जी बेचने वाले भी ग्रामीणों से कंडाली खरीद रहे हैं। गांव के आसपास छोटे बाजारों में भी पहाड़ी युवाओं ने कंडाली की दुकान लगाई हुई है।

संदिग्ध परिस्थितियों में आग से झुलसा व्यक्ति

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : पोखड़ा के देवकंडई मल्ली गांव में एक व्यक्ति संदिग्ध परिस्थितियों में आग लगने से बुरी तरह झुलस गया। झुलसे व्यक्ति को उपचार के लिए राजकीय बेस चिकित्सालय में लाकर भर्ती किया गया है। बेस चिकित्सालय में गंभीर रूप से घायल देवकुंडई मल्ली निवासी कुलदीप सिंह (45) को गंभीर झुलसी अवस्था में राजकीय बेस चिकित्सालय में लाकर भर्ती किया गया। कुलदीप की माने तो उसके छोटे भाई से उसकी किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। आरोप लगाया कि उसके भाई ने गुस्से में उस पर पेट्रोल छिड़क आग लगा दी, जिससे वह बुरी तरह से झुलस गया। बताया कि उसकी मां उसे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पोखड़ा ले गई, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे चमोलीसैंण स्थित द हंस हास्पिटल रेफर कर दिया। लेकिन, वहां सुविधा न होने के कारण उसे राजकीय बेस चिकित्सालय कोटद्वार लाया गया है।

तहसील दिवस में छाई रही समस्याएं, डीएम के नहीं पहुंचने पर रोष

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : धुमाकोट तहसील में मंगलवार को तहसील दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें ग्रामीणों ने अधिकारियों को मूलभूत समस्याओं से अवगत करवाया। वहीं, तहसील दिवस में जिलाधिकारी के नहीं पहुंचने पर फरियादियों ने रोषो भी व्यक्त किया।

धुमाकोट में जल संस्थान, जल जीवन मिशन, ग्राम्य विकास, पंचयतीराज, लोक निर्माण विभाग व मनरेगा से सम्बंधित समस्याएं छाई रही। ग्रामीणों ने अधिकारियों के समक्ष समस्याएं रखते हुए जल्द उनके निराकरण की मांग उठाई। कांग्रेस ब्लाक अध्यक्ष मनीष सुंद्रियाल ने कहा कि जिला मुख्यालय से 200 किलोमीटर दूर से ग्रामीण समस्या लेकर आए हैं। लेकिन पूर्व में आश्वासन देने के बाद भी जिलाधिकारी यहां नहीं पहुंचे हैं। तहसील दिवस में चालीस समस्याएं दर्ज की गइ। सरिता पटवाल ग्राम कोचियार ने नंदा देवी गौरा धन योजना का पैसा न मिलने का मामला उठाया। ग्राम संगलिया वल्ला निवासी गोपाल सिंह एवम रामपाल सिंह ने मनरेगा योजना के तहत वर्ष 2021-22 में बने गौशाला निर्माण का पूरा भुगतान अब तक न किये जाने की समस्या रखी। जगत सिंह पटवाल ग्राम कोचियार ने जड़ाऊखांद-मजेडा बैंड सड़क निर्माण से उनके घर के समक्ष हो रहे भू-स्खलन का मामला उठाया। जिस पर उपजिलाधिकारी रेखा आर्य ने सम्बंधित विभाग को सप्ताह के भीतर समस्या के निस्तारण के निर्देश दिए। पूर्व प्रधानाचार्य जंगबहादुर सिंह नेगी ने अपोला सेरा में मोटर पुल, प्रशिद्ध बुंगी देवी मंदिर में रोपवे व कंडीखाल से चमाडा तक लिंक मोटर मार्ग निर्माण की मांग की। पंचायतीराज ग्राम्य विकास की सर्वाधिक 15 एवम पेयजल सम्बंधित 12 शिकायतें मौके पर प्राप्त हुई। इस अवसर पर नायब तहसीलदार श्रीधर प्रसाद नौटियाल, एसडीओ विधुत विभाग नवीन चंद मैंदोला, वन क्षेत्राधिकारी दीवा सुभाषचंद्र घिल्डियाल, रमेशचंद्र सिंह रावत, आनंद सिंह बिष्ट आदि मौजूद रहे।

पागल कुत्ते के आतंक से लोग परेशान

जयन्त प्रतिनिधि। थलीसैंण : विकासखंड थलीसैंण के आधा दर्जन गांवों में पागल कुत्ते के आंतक लोग परेशान है। पागल कुत्ता अभी तक ग्राम मूसेठी, कपरोली, कैन्यूर, रंडोला, भीडा आदि गांवों में लगभग 13 लोगों को काट चुका है। पागल कुत्ता बकरी, गाय और भैंस पर भी हमला कर चुका है। जानकारी के अनुसार राजकीय प्राथमिक विद्यालय की शिक्षिका देवेश्वरी देवी, ग्राम मुसेठी निवासी 12 वर्षीय अमन, 46 वर्षीय अमर सिंह, 15 वर्षीय शुभम, 35 वर्षीय संदीप पोखरियाल, 40 वर्षीय बेनी देवी, ग्राम कैन्यूर निवासी 10 वर्षीय संतन सिंह, ग्राम सालोन निवासी 70 वर्षीय बख्तावर सिंह, ब्यासी गांव निवासी 26 वर्षीय संगीता, 45 वर्षीय बहादुर सिंह, ग्राम खराल निवासी 70 वर्षीय रामी देवी, ग्राम कैंयूर निवासी 45 वर्षीय साखा सिंह, ग्राम रंडोला निवासी 17 वर्षीय सौरभ, ग्राम भीड़ा निवासी 14 वर्षीय नागेन्द्र को पागल कुत्ते ने काट दिया है। पागल कुत्ते ने ग्राम कैन्यूर निवासी ख्यात सिंह, श्याम सिंह की बकरी, नरेन्द्र सिंह की गाय, कुन्दन सिंह की बकरी, ग्राम कपरोली निवासी श्याम सिंह, सुंदर सिंह की गाय को काटा। इसके अलावा ग्राम ब्यासी में तीन गाय और तीन भैंसों को भी पागल कुत्ते ने काटा। रवि देव सिंह रावत इंचार्ज पशुपालन विभाग थलीसैंण ने बताया कि जिन पशुओं को पागल कुत्ते ने घायल किया है, उनका उपचार कर दिया गया है। बताया कि एंबुलेंस को पशुओं के उपचार के लिए ब्यासी गांव भेजा गया है। वहीं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र थलीसैंण के प्रभारी डॉ. अश्विनी कुमार ने बताया कि क्षेत्र में पागल ने कुत्ते 13 लोगों को कटा है, जिसमें से 10 लोगों को उपचार के बाद घर भेजा है, जबकि तीन लोगों को श्रीनगर बेस अस्पताल के लिए रैफर कर दिया है।

पौड़ी में हुई बारिश, बढ़ी ठंड

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : मंगलवार को सुबह से ही मौसम का मिजाज बदला रहा। देर शाम तक रुक-रुक कर बारिश होती रही। बारिश होने से एक बार फिर ठंड बढ़ गई है। ठंड से बचने के लिए अलाव का साहरा लेते हुए दिखाई दिये।

सर्द मौसम में बेहद कम बारिश होने से फरवरी में ही गर्मी का एहसास होने लगा था, लेकिन मंगलवार को बदले मौसम के मिजाज से एक बार फिर ठंड बढ़ गई है। यह बारिश खेती के लिए लाभकारी मानी जा रही है। वहीं, बारिश से वन विभाग के साथ ही जल संस्थान विभाग को भी थोड़ी राहत मिली है। बीते जनवरी माह में केवल 3 एमएम ही पानी बरसा था। साथ ही ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी भी नहीं हुई, जिससे वन विभाग के साथ ही जल संस्थान विभाग की चिंताएं भी बढ़ी हुई थी। मंगलवार को बदले मौसम के मिजाज के बाद उम्मीद है कि मौसम आने वाली गर्मी से कुछ निजात दे।

दुर्घटनाएं रोकने के लिए यातायात नियमों का करें पालन

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : शहरवासियों को यातायात के प्रति जागरूक करने के लिए रोटरी क्लब व पुलिस की ओर से शहर में यातायात जागरूकता रैली निकाली गई। इस दौरान सदस्यों ने आमजन से दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट अवश्य लगाने की अपील की। मालवीय उद्यान से निकाली गई जागरूकता रैली को उपजिलाधिकारी सोहन सिंह सैनी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने कहा कि लगातार बढ़ रही सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए यातायात नियमों का सख्ती से पालन किया जाना चाहिए। हेलमेट को बोझ नहीं हमारी सुरक्षा के लिए होता है। सीओ निहारिका सेमवाल ने कहा कि अधिकांश दुर्घटनाओं में दोपहिया वाहन चालक बिना हेलमेट होते है और उन्हें सिर पर ही गंभीर चोट आती है। यदि अपने आप को सुरक्षित चाहते है तो हेलमेट का प्रयोग जरूर करें। उप संभागीय परिवहन अधिकारी ज्योति शंकर मिश्रा ने यातायात के नियमों की जानकारी दी। उन्होंने

रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते उपजिलाधिकारी

नाबालिग को वाहन न देने अपील की। यातायात निरीक्षक संदीप तोमर, कोतवाली प्रभारी निरीक्षक रमेश सिंह तनवर, रोटरी अध्यक्ष गुरूबचन सिंह व सचिव डीपी सिंह ने चार पहिया वाहन चालकों से सीट बेल्ट लगाने की अपील की। इस मौके पर वाई पी गिलरा, विजय कुमार माहेश्वरी, गोपाल बसंल, ऋषि ऐरन, मनीष अग्रवाल, गोपाल बंसल आदि मौजूद रहे।

नवयुग के विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय प्रतियोगिता में जीता गोल्ड

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : पदमपुर मोटाढांक स्थित नवयुग पब्लिक स्कूल के विद्यार्थी प्रियांशु, आरुषि, आर्यन व खुशी ने ताइक्वांडो की राष्ट्रीय प्रतियोगिता में गोल्ड जीता है। विद्यार्थियों की इस सफलता पर शिक्षकों व अभिभावकों ने खुशी व्यक्त है।

दो फरवरी को धनोल्टी में राष्ट्रीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें 350 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

प्रतियोगिता में नवयुग के विद्यार्थी प्रियांशु, आरुषि व खुशी ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए गोल्ड जीता। विद्यार्थियों के कोच चारु संगम ने बताया कि विद्यार्थियों ने नवयुग की स्पोर्टस अकादमी (हिमालयन अकादमी) में ताइक्वाडो के गुर सीख रहे हैं। इससे पहले भी अकादमी कई छात्र ताइक्वांडो, वॉलीबाल, कबड्डी, बास्केटबाल में जिला व राज्य स्तर पर कई पदक अर्जित किए है। विद्यालय को प्रधानाचार्य नीलम नेगी व संस्थापक हुकम सिंह नेगी ने सभी छात्रों को सम्मानित कर भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी व जीवन में खेल व शारीरिक तंदरूस्ती का महत्व बताया। इस मौके पर पूनम बिजलवाण, सम्राट रावत आदि मौजूद रहे।

कोटद्वार में गोल्ड जीतने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित करते शिक्षक

किशोरियों को स्वास्थ्य के प्रति किया जागरूक

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : राजकीय बालिका इंटर घमंडपुर में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें किशोरियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें बेहतर स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया।

दिशा प्रोजेक्ट के तहत शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें कक्षा छह से 9वीं तक की छात्राओं के स्वास्थ्य का परीक्षण किया गया। जांच में बालिकाओं के वजन, ब्लड प्रेशर, ब्लड ग्रुप, हीमोग्लोबिन आदि की जांच की गई।

चिकित्सकों ने कहा कि बालिकाओं को अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहना चाहिए। खान-पान पर विशेष ध्यान दें। फास्टफूड का सेवन न करें।

शिविर के दौरान 75 छात्राओं के स्वास्थ्य की जांच हुई। साथ ही उन्हें स्वास्थ्य को बेहतर रखने के तरीके बताए गए। इस मौके पर बुरांस संस्था के उपाध्यक्ष ललिता प्रसाद कोटनाला, प्रधानाचार्य सुषमा दास, ऊषा चौधरी, शालिनी कोटला, सीमा रावत, आरजू, ललिता प्रसाद कोटनाला, मदन मोहन भारद्वाज, प्रदीप डबराल आदि मौजूद रहे।

कोटद्वार के राजकीय बालिका इंटर कालेज घमंडपुर में स्वास्थ्य की जांच करते चिकित्सक

स्वीडन के दंपती ने मंदिर परिसर में किया पौधारोपण

कोटद्वार के श्री सिद्धबली मंदिर में किया गया पौधा रोपण

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : स्वीडन से कोटद्वार आकर ब्याह रचाने वाले अरविन ने विवाह की पहली वर्षगांठ पर कोटद्वार आकर सिद्धबली मंदिर की यज्ञशाला परिसर में पौधा रोपण किया। स्वीडन के स्टाकहोम निवासी अरविन ने एक साल पहले कोटद्वार की बैंक कॉलोनी निवासी नीति रावत से गढ़वाली रीति-रिवाज से विवाह किया था। अरविन और उनकी पत्नी नीति रावत शादी की पहली सालगिरह मनाने के लिए स्वीडन से भारत आए थे। उन्होंने सोमवार को सिद्धबली मंदिर की यज्ञशाला में पहुंचकर पौधा रोपा। अरविन ने बताया कि स्वीडन में पर्यावरण के प्रति लोग ज्यादा सजग हैं। एक करोड़ से भी कम जनसंख्या वाले यूरोपीय देश में प्राकृतिक संपदा, जंगल, हवा, पानी शुद्ध हैं। उन्होंने क्षेत्रवासियों से भी पर्यावरण संरक्षण के लिए सजग बनने और खास अवसरों पर प्राकृतिक धरोहरों को संजोने के लिए हरसंभव सहयोग करने का आह्वान किया।

मंगलवार को कोटद्वार व आसपास के क्षेत्र में छाए रहे बादल

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : एक सप्ताह से जहां तेज धूप के साथ हल्की गर्मी का एहसास होने लगा था। वहीं, मंगलवार को अचानक मौसम का मिजाज बदला और आसमान में बादल छाए हुए थे। हल्की बूंदाबांदी ने दोबारा लोगों को ठंड का एहसास करवा दिया। शहरवासी बाजार में टोपी व मफलर के साथ घूमते हुए नजर आए। मंगलवार को सुबह से ही आसमान में बादल छाए हुए थे। सुबह करीब दस बजे हल्की धूप खिली और फिर बादल छा गए। हल्की बूंदाबांदी ने आमजन को ठंड का एहसास करवा दिया। दोपहर एक बजे के बाद बूंदाबांदी बढ़ गई थी। ऐसे में कई लोग छाता लेकर बाजार आ रहे थे। ठंड से बचाव के लिए बुजुर्ग ने हीटर व अलाव का सहारा लिया। वहीं, दुगड्डा, गुमखाल, लैंसडौन सहित असपास के पहाड़ी क्षेत्रों में भी बारिश हुई। पहाड़ में जहां एक सप्ताह से तेज धूप खिल रही थी वहीं, मंगलवार को पूरे दिन आसमान में बादल छाए हुए थे। अचानक बदले मौसम का पर्यटकों ने खूब आंनद लिया।

सत्र न्यायाधीश की अदालत ने कर्ज लेकर नहीं लौटाने के दोषी को दोषमुक्त किया

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : सत्र न्यायाधीश पौड़ी की अदालत ने कर्ज लेकर नहीं लौटाने के दोषी अपीलार्थी को दोषमुक्त करार दिया है। पौड़ी के कल्जीखाल ब्लॉक के अगरोड़ा निवासी एक ठेकेदार ने श्रीनगर के डांग निवासी एक व्यक्ति पर जनवरी 2017 में कर्ज लेकर नहीं लौटाने का आरोप लगाया था।

बचाव पक्ष के वरिष्ठ अधिवक्ता महेश बलूनी ने बताया कि पौड़ी के कल्जीखाल ब्लॉक के अगरोड़ा निवासी विमल नेगी ने मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट पौड़ी की अदालत में 13 जनवरी 2017 को एक वाद दाखिल किया था। उन्होंने बताया था कि वह ठेकेदारी करते हैं। श्रीनगर के डांग ऐठाणा निवासी अरविंद भाकुनी से उनकी जान-पहचान हुई। वर्ष 2014 में अरविंद ने उनसे 4 लाख 25 हजार रुपये कर्ज के रूप में लिए थे। जिन्हें दो महीने के भीतर लौटाने की बात की थी, लेकिन वह कर्ज की राशि लौटाने को लेकर आनाकानी करते रहे। लगातार कर्ज की राशि लौटाने को लेकर दबाव बनाने पर उन्होंने 15 सितंबर 2016 को एक चेक दिया था। जिसे भुगतान के लिए लगाया गया। जो बाउंस हो गया था। प्रकरण की सुनवाई करते हुए 17 दिसंबर 2021 को सीजेएम पौड़ी की अदालत ने अरविंद को कर्ज लेकर नहीं लौटाने का दोषी करार दिया था। अदालत ने दोषी को छह माह के कारावास की सजा के साथ 5 लाख का अर्थदंड लगाया था। जिसे अरविंद भाकुनी ने सत्र न्यायाधीश पौड़ी की अदालत में चुनौती दी थी। बताया कि अरविंद भाकुनी ने ठेकेदार विमल नेगी से 2014 में कर्ज लिया था और भुगतान के लिए 15 सितंबर 2015 को एक चेक दिया था। कुछ समय तक धनराशि कम होने के चलते चेक भुगतान के लिए नहीं लगाने की बात कही। इस दौरान नगद रूप में समय-समय पर ठेकेदार को कर्ज की पूरी राशि लौटा दी गई थी, लेकिन किन्हीं कारणों से ठेकेदार से चेक वापस नहीं ले पाया था। ठेकेदार द्वारा चेक से छेड़छाड़ करते हुए भुगतान के लिए लगाया जो चेक का दुरुपयोग है। बताया कि सत्र न्यायाधीश पौड़ी अजय चौधरी की अदालत ने दोनों पक्षों की बहस, गवाहों के बयान व साक्ष्यों का अवलोकन कर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट पौड़ी की अदालत के आदेश को निरस्त करते हुए कर्ज लेकर नहीं लौटाने के दोषी अपीलार्थी अरविंद भाकुनी निवासी डांग ऐठाणा को दोषमुक्त करार दिया है।

किसानों को योजनाओं का लाभ देने के लिए अफसर फील्ड में जाकर काम करें

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : विकास भवन सभागार में अपर कृषि निदेशक गढ़वाल मंडल ने अफसरों की बैठक लेते हुए सभी केंद्र पोषित व राज्यपोषित योजनाओं की भौतिक व वित्तीय प्रगति बढ़ाने के निर्देश दिए। कहा कि जिले के हर किसान को सरकार की संचालित योजनाओं का लाभ मिलना चाहिए, इसके लिए अफसर फील्ड में जाकर काम करें।

विकास भवन सभागार में आयोजित बैठक में अपर कृषि निदेश-ाक गढ़वाल मंडल डॉ. परमाराम ने सभी अफसरों को सरकार की योजनाओं से अधिक से अधिक किसानो को जोड़ने के निर्देश दिए। उन्होंने अफसरों को किसानों के हित में कार्यक्रम संचालित करने, नवाचार पद्धतियों द्वारा अधिक से अधिक कृषि उपज के लिए किसानों को प्रोत्साहित करने को कहा। इस दौरान कृषि विभाग से सेवानिृत्त हुए 25 अफसरों व कर्मचारियों को भावभीनी विदाई भी दी गई। मुख्य कृषि अधिकारी डा. विकेश यादव ने सेवानिवृत्त हुए अफसरों व कर्मचारियों से भविष्य में विभाग द्वारा संचालित होने वाले कार्यक्रम में हिस्सा लेकर किसानों व कर्मचारियों को अपने अनुभव व जानकारियां देने की भी अपील की गई। इस मौके पर कृषि एवं भूमि संरक्षण अधिकारी कोटद्वार भगवान दास वर्मा, रामनरेश गुलेरिया, डा. योगेश रूवाली, इंदु गोदियाल, अरूण उनियाल, विपिन गैरोला आदि शामिल थे।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, उत्तराखण्ड जल संस्थान, कोटद्वार

पत्रांक 3679 / टेण्डर / दिनांक 04/2/2025

निविदा सूचना

मुख्य महाप्रबन्धक उत्तराखण्ड जल संस्थान, देहरादून की ओर से जनपद पौड़ी की कोटद्वार शाखा के अन्तर्गत टैंकरों के माध्यम से पेयजल अभावग्रस्त क्षेत्रों में आवश्यकतानुसार जलापूर्ति हेतु निम्न विवरणानुसार दरें आमंत्रित की जाती है, जो कि दिनांक 18.02.2025 की अपराह्न 2.00 बजे तक किसी भी कार्य दिवस में शाखा कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। यह निविदायें दिनांक 19.02.2025 की सांय 3.00 बजे तक शाखा में जमा करायी जा सकेगी। प्राप्त निविदायें उसी दिन सांय 3.30 बजे अधोहस्ताक्षरी अथवा अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष खोली जायेगी। अन्य जानकारी एवं शर्तें कार्यालय नोटिस बोर्ड पर देखी जा सकती है अथवा कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

क्र0 सं0	कार्य का विवरण	निविदा मूल्य	कार्य पूर्ण की अवधि (रू0 में)
1	2		3
1	शाखा कोटद्वार के अन्तर्गत पेयजल अभावग्रस्त क्षेत्रों में 2000 /3000/5000 ली0 क्षमता के टैंकरों/पिकअप वाहनों के माध्यम से जलापूर्ति।	1000.00 +GST	आवश्यकतानुसार

शर्तेः- नियम व शर्तें किसी भी कार्य दिवस पर कार्यालय में देखी जा सकती है।

1- जल वितरण हेतु दरें चालक सहित देनी होगी।
2- निविदा प्रपत्र पर जी0एस0टी0 एवं पैन नम्बर अंकित करना अनिवार्य होगा।
3- टैंकरों के रखरखाव का दायित्व वाहन स्वामी का होगा।
4- टैंकरों को जल वितरण हेतु 24 घण्टे उपलब्ध रखना होगा।
5- टैंकरों का उचित फिटनेस स्थिति में होना आवश्यक है, जिसके लिये आर0टी0ओ0 का फिटनेस प्रमाण पत्र निविदा प्रपत्र के साथ संलग्न करना होगा।
6- निविदा क्रय करते समय सम्बन्धित निविदादाता द्वारा टैंकरों/पिकअप वाहनों के रजिस्ट्रेशन की प्रमाणित छायाप्रति प्रस्तुत की जानी अनिवार्य है। जिसके अभाव में निविदा निर्गत नहीं किये जायेंगें।
7- किसी भी प्रकार की क्षति/दुर्घटना का दायित्व वाहन स्वामी का स्वयं का होगा।
8- निविदा के साथ रू0 100.00 का स्टाम्प पेपर एवं रू0 1.00 का रसीद टिकट पर हस्ताक्षर सहित, शपथ पत्र के रूप में लगाना अनिवार्य होगा।
9- टैंकरों से पेयजल वितरण का भुगतान धन प्राप्त होने के पश्चात ही किया जायेगा।
10- अन्य शेष शर्तें निविदा प्रपत्र के अनुरूप होंगी ।

(0725/59)

अधिशासी अभियन्ता

एक नजर

संविदा श्रमिकों के समक्ष आर्थिक संकट

श्रीनगर गढ़वाल : उत्तराखंड जल संस्थान संविदा श्रमिक संघ शाखा देवप्रयाग ने ठेकेदार पर परेशान करने, पूर्व में समझौते के अनुसार वेतन पूरा नहीं देने सहित चार माह से वेतन न दिए जान पर रोष व्यक्त किया है। मंगलवार को संघ के पदाधिकारियों ने उत्तराखंड जल संस्थान देवप्रयाग के अधिशासी अभियंता को ज्ञापन भेजते हुए श्रमिक संघ के अध्यक्ष सुनील गैरोला, सचिव जीएन गोस्वामी और कोषाध्यक्ष बीर सिंह डबोला ने कहा कि 28 जनवरी को जल संस्थान के ईई की अध्यक्षता में उत्तराखंड जल संस्थान संविदा श्रमिक संघ शाखा देवप्रयाग और पर्वतीय ठेकेदार संघ के साथ बैठक बुलाई गई थी। जिसमें दोनों पक्षों में हुए समझौता पर अमल नहीं किया जा रहा है। कहा कि बैठक में हुए समझौते पर ठेकेदार द्वारा बार-बार श्रमिकों को भटकाने की कोशिश की जा रही है। साथ ही पेयजल योजनाओं में लगे पेप ऑपरेटर सहित अन्य श्रमिकों को पूरा वेतन नहीं दिया जा रहा है। ईपीएफ भी कम काटा जा रहा है। कहा कि ठेकेदार द्वारा चार महिने से अपने तक वेतन का भुगतान भी नहीं किया है। जिससे श्रमिकों को दिक्कतों का सामना करना पड रहा है। कहा कि ठेकेदार द्वारा यदि जल्द समझौते के अनुसार कार्य नहीं किया जाता है तो वह मुख्य महाप्रबंधक और पेयजल सचिव शैलेश बगौली के सम्मुख अपनी समस्याओं को रखेंगे। श्रमिकों ने चार रविवार और राष्ट्रीय अवकाश पर मिलने वाले भुगतान को दिए जाने की मांग की है। (एजेंसी)

छात्रों ने मेडिकल रूम की सुविधा देने की मांग

श्रीनगर गढ़वाल : गढ़वाल विवि में छात्रों की समस्याओं को देखते हुए छात्रसंघ अध्यक्ष जसवंत राणा ने मंगलवार को पांच सूत्रीय मांग पत्र अधिष्ठाता छात्र कल्याण को सौंपा। जसवंत राणा ने छात्रावासों में मेडिकल रूम की सुविधा, सप्ताह में एक बार मेडिकल टीम द्वारा निरीक्षण किए जाने, विवि के सभी महिला छात्रावासों समेत दोनों परिसरों में सेनेटरी पैड मशीन लगाए जाने, स्वास्थ्य केंद्र में सभी प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध कराने, पत्रकारिता के छात्रों को उच्च गुणवत्ता के संसाधन उपलब्ध कराने, सभी विभागों की कक्षाओं का नियमित रूप से संचालन की मांग की। डीएसडब्ल्यू प्रो. एमएस नेगी ने छात्रों की मांगों पर सकारात्मक कार्रवाई का आश्वासन दिया। मांग पत्र सौंपने वालों में छात्र नेता महिपाल बिष्ट, रोहित, पीयूष, गौरव, ताजवेंद्र आदि शामिल रहे। (एजेंसी)

श्रीनगर विस क्षेत्र की चार सड़कों के लिए 5 करोड़ 12 लाख स्वीकृत

श्रीनगर गढ़वाल : विधानसभा श्रीनगर क्षेत्र की चार सड़कों के डामरीकरण के लिए कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने 5 करोड़ 12 लाख 7 हजार की धनराशि स्वीकृत कराई है। डॉ. रावत ने कहा कि श्रीनगर विधानसभा के विकासखंड खिर्सू में फरासू-मंदोली-चकवाली मोटर मार्ग के 11 किमी. से आगे डामरीकरण 74 लाख 61 हजार रूपये से पूर्ण किया जाएगा। बताया कि खंडाह-कोटि-नेसु-दुर्गाकोट मोटर मार्ग के डामरीकरण एवं सुधारीकरण का कार्य 1 करोड़ 58 लाख 62 हजार, स्वीत-गहड़-ओडला मोटर मार्ग के डामरीकरण एवं सुधारीकरण का कार्य 1 करोड़ 6 लाख 14 हजार, विकासखंड पाबौ में सकल्याणा-मल्ला मोटर मार्ग के डामरीकरण एवं सुधारीकरण के कार्य के लिए 1 करोड़ 72 लाख 70 हजार रुपये स्वीकृत कराए गए हैं। डॉ. रावत ने कहा कि ग्रामीणों की मांगों को प्राथमिकता में रखते हुए मोटर मार्गों को स्वीकृति प्रदान की गई है। जिससे ग्रामीणों को बेहतर सुविधा मिल सके। मोटरमार्ग की स्वीकृति मिलने पर खिर्सू मंडल अयक्ष रमेश मंद्रवाल, महामंत्री अनिल भंडारी, मनीषा बहुगुणा, पाबौ मंडल अध्यक्ष नरेंद्र रावत ने कैबिनेट मंत्री डॉ. रावत का आभार व्यक्त किया है। (एजेंसी)

प्रशिक्षणोपरान्त स्थाई रोजगार हेतु लगाए जा रहे तिथिवार शिविर

देहरादून। क्षेत्रीय कमांडेंट कार्यालय आर०टी०ए० ने अवगत कराया है कि क्षेत्रीय सेवायोजन अधिकारी, देहरादून द्वारा अधोहस्ताद्वारी को अग्रसारित किया गया, का सदंर्भ ग्रहण करें, जिसमे उनके द्वारा भारतीय सुरक्षा दक्षता परिषद सुरक्षा कार्यों के लिये आवेदित उम्मीदवारों को पंजीकृत कर प्रशिक्षणोपरान्त स्थाई रोजगार हेतु समस्त विकास खण्डों में तिथिवार शिविर लगाए जा रहे हैं। विकास खण्ड डोईवाला में 04.02.2025 से 05.02.2025, रायपुर में 06.02.2025 से 07.02.2025, चकराता में 08.02.2025 से 09.02.2025, कालसी में 10.02.2025 से 11.02.2025, विकासगनर 12.02.2025 से 13.02.2025, सहसपुर में 14.02.2025 से 15.02.2025, शिविर आयोजित किये जा रहे हैं।

परिसंपत्तियों के भुगतान की विसंगतियां दूर करने की उठाई मांग

नई टिहरी : कोटी-जाख-डोबरा रिंग रोड के काश्तकारों ने डीएम मयूर दीक्षित को ज्ञापन सौंपकर परिसंपत्तियों के भुगतान की विसंगतियां दूर करने की मांग की है। कहा कि उन्हें व्यावसायिक प्रतिष्ठानों का प्रतिकर गैर व्यावसायिक श्रेणी का दिया जा रहा है। जिस पर डीएम ने कहा कि सर्किट रेट के अनुसार सभी को मुआवजा दिया जाएगा। प्रभावित ग्रामीणों की समस्याएं हल की जाएंगी। कहा कि रिंग रोड़ बनने से ग्रामीणों को काफी लाभ मिलेगा। मंगलवार को शहर कांग्रेस अध्यक्ष कुलदीप पंवार के नेतृत्व में जाख, जाख लग्गा ज्यूंदासू के ग्रामीणों ने डीएम से मुलाकात कर प्रस्तावित टूरिज्म रिंग रोड को लेकर समस्याएं बताईं। कहा कि लोनिवि चंबा के अधिकारियों ने उनकी परिसंपत्तियों का वर्गीकरण गलत किया है। जबकि वह वर्षों से वहां दुकान, ठेली, होटल आदि संचालित कर रहे हैं। बावजूद इसके उन्हें 12 हजार रुपये सर्किल रेट के अनुसार

प्रतिकर दिया जा रहा है, जबकि व्यावसायिक दर 38 और 42 हजार रुपये वर्गमीटर है। जिस पर डीएम ने कहा कि ग्रामीणों की सभी समस्याएं हल की जाएगी। जिस श्रेणी में उनके घर, दुकानें और परिसंपत्तियां होंगी, उसी के अनुसार भुगतान किया जाएगा। लोनिवि के एसई मनोज बिष्ट को निर्देश दिए कि विभागीय कार्मिकों को गांव भेजकर संतुष्ट कराएं। कहा कि डेट लाइन से पहले दुकान, होटल, होम स्टे सहित व्यावसायिक गतिविधियां का प्रमाण देने वालों को व्यावसायिक दरों का भुगतान किया जाएगा। इसके अलावा घरेलू मकान के प्रतिकर के साथ-साथ कई अन्य लाभ देने का प्रावधान है। डीएम ने कहा कि धैर्य रखें, किसी के साथ नाइंसाफी नहीं होगी।

छात्रों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया

रुद्रप्रयाग : सड़क सुरक्षा माह को लेकर पुलिस ने राइंका घिमतोली में छात्र-छात्राओं को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। इसके साथ ही साइबर अपराध व नशे के दुष्प्रभाव से स्वयं तथा समाज को बचाने की जानकारी भी दी। मंगलवार को चौकी दुर्गाधार प्रभारी कुलेन्द्र सिंह रावत के नेतृत्व में राजकीय इंटर कॉलेज घिमतोली में छात्रों एवं अध्यापकों को सड़क सुरक्षा व यातायात के नियम, कानून एवं प्रावधानों के प्रति जागरक किया। सड़क दुर्घटना के समय गुड समेरिटन यानि दुर्घटना पीड़ित की तत्काल मदद के लिए आगे आने वाले व्यक्ति के रूप में उत्कृष्ट नागरिक का फर्ज अदा करने तथा ऐसे नागरिकों को समय-समय पर पुरस्कृत किए जाने के बारे में जानकारी दी। साथ ही साइबर अपराध एवं नशे के दुष्प्रभाव से स्वयं तथा समाज के अन्य व्यक्तियों को बचाने के लिए जागरूक रहने तथा नशे के दुष्प्रभाव व साइबर क्राइम से बचने के लिए की जाने वाली सावधानियों की जानकारी दी।

पारंपरिक विधा और संस्कृति को बचाने को आगे आये

नई टिहरी : जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में पांच दिवसीय ढोल-दमाऊ, साउंड ट्रैक निर्माण और मसकबीन प्रशिक्षण कार्यशाला का समापन हुआ। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य पहाड़ की पारंपरिक विधा और संस्कृति को बचने के साथ आगे बढ़ाना है। डायट में आयोजित कार्यशाला में ढोल-दमाऊ, साउंड ट्रैक निर्माण और मसकबीन प्रशिक्षण कार्यशाला में जिले सभी 9 ब्लॉक के माध्यमिक विद्यालयों के एक शिक्षक और 2 छात्रों ने प्रतिभाग किया। बताया 5 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला में प्रसिद्ध ढोल वादक उत्तम दास और कुलदीप ने ढोल-दमाऊं की विभिन्न ताल जैसे धुयांल, देवी नृत्य, रासों, बढै ताल आदि का छात्रों के साथ शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया। मसकबीन का प्रशिक्षण रमेश द्वारा दिया गया। कार्यशाला में छात्रों ने ढोल और मसकबीन सीखने में बड़ी उत्सुकता दिखाई दी। साथ ही विद्यालयों में प्रार्थना सभा को भव्य और आकर्षक बनाने के लिए विभिन्न भाषाओं में गीत रचना और संगीत संयोजन से साउंड ट्रैक का निर्माण किया गया जा रहा है। प्राचार्य हेमलता भट्ट ने बताया कि वर्तमान में डायट में 22 साउंड ट्रैक का निर्माण किया गया है। जिसमें गढ़वाली, संस्कृत, हिन्दी, पंजाबी, अंग्रेजी, कन्नड़ आदि कई भाषाएं शामिल हैं। जिनका उपयोग वर्तमान समय में उत्तराखंड के विभिन्न जिलों के विद्यालयों में प्रार्थना सभा के दौरान किया जाता है। इस मौके पर संयोजक नरेश चंद कुमाईं, विनोद पेटवाल, डॉ. वीर सिंह रावत, डॉ. मनवीर नेगी, आनंद नेगी, दिनेश चंद रमोला, शशि भूषण सेमवाल, परमवीर कठैत, जगदंबा डोभाल, मदन मोहन सेमवाल, रजनीश नौडियाल, सुमंत पंवार, आशा भट्ट, सुनिती थापा, बबीता थपलियाल, जयकृष्ण पैन्यूली, प्रवीन रंजीता, ललित, तनुजा आदि मौजूद थे। (एजेंसी)

मुख्यमंत्री ने किया 38वें राष्ट्रीय खेल—2025 के अन्तर्गत आयोजित बैडमिंटन प्रतियोगिता का अवलोकन

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को परेड ग्राउण्ड, देहरादून में 38वें राष्ट्रीय खेल–2025 के अन्तर्गत आयोजित बैडमिंटन प्रतियोगिता का अवलोकन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने विजेता खिलाडियों को मेडल पहनाकर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने विभिन्न राज्यों से आए खिलाड़ियों से मुलाकात कर उनका उत्साहवर्धन भी किया। 38वें राष्ट्रीय खेल के अंतर्गत उत्तराखंड के सूर्यांश रावत एवं तमिलनाडु के सतीश कुमार के बीच मेन्स सिंगल बैडमिंटन प्रतियोगिता का फाइनल मैच खेला गया। जिसमें 21/21 , 21/17 से तमिलनाडु के सतीश कुमार ने विजय प्राप्त की। मुख्यमंत्री ने मेन्स सिंगल बैडमिंटन प्रतियोगिता के विजेता तमिलनाडु के सतीश कुमार को गोल्ड, दूसरे स्थान पर आए उत्तराखंड के सूर्यांश रावत को सिल्वर मेडल पहनाकर सम्मानित भी किया।

मुख्यमंत्री ने जाने, खिलाड़ियों के अनुभव

मुख्यमंत्री ने विभिन्न राज्यों से आए खिलाड़ियों से बातचीत कर 38वें राष्ट्रीय खेलों के बारे में उनके अनुभव भी जाने। खिलाड़ियों ने उत्तराखंड के नैसर्गिक सौंदर्य की जमकर तारीफ की। मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर , खुश नजर आए खिलाड़ी मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर खिलाड़ी एवं अन्य वालंटियर बेहद खुश नजर आए। उन्होंने मुख्यमंत्री का गरजोशी से स्वागत किया। 38वें राष्ट्रीय खेल आयोजित करना राज्य के प्रत्येक नागरिक के लिए सौभाग्य की बात मुख्यमंत्री ने कहा कि 38 वे राष्ट्रीय खेलों का आयोजित करना, हमारे राज्य के प्रत्येक नागरिक के लिए सौभाग्य की बात है।

छात्रों को मिला स्पेशल बैक का अंतिम मौका

श्रीनगर गढ़वाल : गढ़वाल विवि ने वानिकी व कृषि पाठ्यक्रम के विषम सेमेस्टरों में बैक व स्पेशल बैक परीक्षा की तिथि घोषित कर दी है। 11 फरवरी से 17 फरवरी तक दोनों विषयों की परीक्षाएं अलग-अलग समय पर आयोजित की जाएंगी। इस संबंध में गढ़वाल विवि के परीक्षा नियंत्रक द्वारा आदेश जारी किया गया है। बीएससी फॉरेस्ट्री तीसरे व पांचवें सेमेस्टर की परीक्षाएं 11 फरवरी से 14 फरवरी तक आयोजित होंगी, जबकि बीएससी एग्रीकल्चर विषय में बैक व स्पेशल बैक परीक्षा देने वाले छात्रों की परीक्षाएं 12 फरवरी से 15 फरवरी तक एक से लेकर सातवें विषम सेमेस्टरों तक अलग-अलग पालियों में निर्धारित की गई है। वहीं एमएससी फारेस्ट्री प्रथम सेमेस्टर की स्पेशल बैक व बैक परीक्षा 11 फरवरी को आयोजित होगी। (एजेंसी)

गाय के गोबर से आर्थिक मजबूत कर रहे गो पालक

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : ग्रामोत्थान परियोजना के तहत पौड़ी जिले के खिर्सू ब्लॉक के भूमि स्वायत्त सहकारिता चमराड़ा की महिलाओं का समूह गाय के गोबर से धूपबत्ती, सामब्राणी कप, दीये एवं मूर्तियां बना रहा है।

इससे समूह सहित गो पालकों को आर्थिक लाभ मिल रहा है। इस वर्ष दीपावली और नवरात्रि के अवसर पर 8 से 10 लाख रुपये का व्यवसाय करने का लक्ष्य रखा गया है।

जिला मुख्यालय पौड़ी से करीब 25 किलोमीटर दूर चमराड़ा और इसके आसपास के क्षेत्रों में अधिकांश लोग डेरी उत्पादन से जुड़े हैं। जिसके चलते यहां गोबर भरपूर मात्रा में उपलब्ध है। इसी को देखते हुए ग्रामोत्थान परियोजना ने चमराड़ा में हिलांस देशी गाय गोबर उत्पाद यूनिट की स्थापना की। यूनिट में गोबर को पीसने के लिए पल्वराइजर मशीन (चक्की), पीसे हुए गोबर और अन्य कच्चे माल को मिलाने हेतु मिक्सचर मशीन, सामब्राणी बनाने हेतु ऑटोमेटिक सामब्राणी कप मेकिंग मशीन, ऑटोमेटिक धूपकोन मेकिंग मशीन, कम्प्रेशर मशीन, दिया मेकिंग मशीन सहित मूर्ति बनाने हेतु मोल्ड उपलब्ध कराए गए। यूनिट संचालन का जिम्मा भूमि स्वायत्त सहकारिता चमराड़ा को दिया गया। इस सहकारिता के तहत 64 समूह, 9 ग्राम संगठन और 385 सदस्य जुड़े हुए हैं।

ग्रामोत्थान के जिला परियोजना प्रबंधक कुलदीप बिष्ट ने बताया कि इस क्षेत्र में कृषि कम होने के कारण गोबर आसानी से उपलब्ध हो रहा है। सहकारिता द्वारा समूह सदस्यों से 20 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से सूखा गोबर खरीदा जा रहा है। इसके साथ ही समूह की महिलाओं को यूनिट में 300 रुपये प्रतिदिन की दर से रोजगार भी मिल रहा है। वर्तमान में इस इकाई में साम्ब्राणी कप, धूपबत्ती और दीपकों का निर्माण किया जा रहा है। सामग्री बनाने के लिए महिलाओं को प्रशिक्षण भी दिया गया है। इस वर्ष दीपावली और नवरात्रि के अवसर पर 8 से 10 लाख रुपये का व्यवसाय करने का लक्ष्य रखा गया है। मुख्य विकास अधिकारी गिरीश गुणवंत का कहना है कि गोबर आधारित उत्पाद न केवल प्राकृतिक संसाधनों के बेहतर उपयोग का उदाहरण हैं, बल्कि पर्यावरण के लिए भी फायदेमंद है। रासायनिक धूपबत्तियों की तुलना में यह उत्पाद वायु प्रदूषण से बचाव में सहायक है। इस पहल ने ग्रामीण महिलाओं को न केवल रोजगार दिया है, बल्कि उन्हें आर्थिक आत्मनिर्भर बनाने का काम किया है। बताया कि भविष्य में इस प्रोजक्ट को अन्य स्थानों में भी विस्तार दिया जाएगा जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिले।

परेड में शामिल होकर लौटे छात्र का किया भव्य स्वागत

नई टिहरी : चंबा ब्लॉक के राजकीय इंटर कालेज नागदेव पथल्ड़ के होनहार छात्र व एनसीसी कैडेट प्रियाशुं भट्ट तीन माह के कठिन प्रशिक्षण के बाद विद्यालय लौटे हैं। जहां शिक्षकों, छात्र-छात्राओं ने उनका भव्य स्वागत किया। प्रियांशु एक मात्र छात्र हैं, जिन्होंने उत्तराखंड राज्य की ओर से इस साल के गणतंत्र दिवस परेड में हिस्सा लिया था।

गत वर्ष 29 अक्तूबर से 29 जनवरी 2025 तक तीन माह के कठिन प्रशिक्षण के साथ-साथ प्रियांशु गणतंत्र दिवस 2025 की परेड में शामिल होने वाले एक मात्र एनसीसी कैडेट रहे। मंगलवार को जीआईसी नागदेव पथल्ड़ में छात्र प्रियांशु का गर्मजोशी से स्वागत किया। गणतंत्र दिवस की परेड में राज्य की ओर से शामिल होने के बाद विद्यालय में लौटने पर उन्हें सम्मानित भी किया गया। भट्ट ने बताया कि अपनी इस श्रेष्ठ उपलब्धि का श्रेय वह अपने माता-पिता और गुरुजनों को देते हैं। कहा कि कठिन

परिश्रम से ही सफलता हासिल की जा सकती है। तीन माह के प्रशिक्षण में उन्होंने ने अपना सारा ध्यान लक्ष्य पर रखा। कालेज के प्रधानाचार्य संजय रावत और शिक्षकों ने कहा कि उनके प्रदर्शन पर पूरा विद्यालय परिवार अपने को गौरवान्वित महसूस कर रहा है। इस मौके पर एनसीसी ऑफिसर भारत भूषण उनियाल, मुकेश उनियाल, डॉ. विजय किशोर बहुगुणा, आरपी थपलियाल, देवेंद्र उनियाल, सुनील सिंह असवाल, कृपाल चंद्र आर्य, पीसी मंदोली, संगीता नेगी, रीता सिंह, माधुरी अंथवाल, आरती पुंडीर, सुमनलता सकलानी आदि मौजूद थे। (एजेंसी)

नगर निगम ने वसूले 43184 रूपये

श्रीनगर गढ़वाल : नगर निगम श्रीनगर ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के संपत्ति कर, किराया, तहबाजारी एवं उपभोक्ता शुल्क की वसूली किए जाने को लेकर अभियान की शुरुआत की है। अभियान के पहले दिन निगम ने 43184 रूपए किराये के रूप में वसूले हैं। सहायक नगर आयुक्त रविराज बंगारी ने बताया कि कर वसूली को लेकर निगम के वार्डो के अनुसार टीम गठित कर कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। बताया कि जिन उपभोक्ताओं द्वारा अभी तक शुल्क जमा नहीं किया गया है उनके पास टीम पहुंच रही है। निगम की दुकानों से अब तक तैंतालीस हजार एक सौ चौरासी रूपए किराये के रूप में वसूले जा चुके हैं, जबकि संपत्ति कर, तहबाजारी को लेकर भी अभियान जारी है। बताया कि वार्ड संख्या चार से 21 तक अजहर अली, वार्ड 22 से 39 तक सुशील कुमार कुरील को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है, जिन्हें भवनकर, उपभोक्ता शुल्क, दुकान किराया व व्यावसायिक शुल्क की शत प्रतिशत वसूली की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

माकपा ने जलाई समान नागरिक कानून की प्रतियां

चमोली : भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) उत्तराखण्ड राज्य कमेटी के आह्वान पर पार्टी की जिला इकाई चमोली ने जिला मुख्यालय बस स्टेशन गोपेश्वर में उत्तराखण्ड सरकार द्वारा उत्तराखण्ड में लागू किए गए समान नागरिक संहिता कानून (यूसीसी) की प्रतियां जलाईं। मंगलवार को बस स्टेशन पर माकपा के कार्यकर्ताओं ने यूसीसी के विरोध में नारेबाजी करते इसकी प्रतियां जलाईं। सीपीआईएम के सचिव मदन मिश्रा ने जानकारी देकर कहा कि पार्टी भाजपा सरकार द्वारा प्रदेश में लागू समान नागरिक संहिता को अव्यवहारिक और गैर जरूरी मानती है।

गोपेश्वर मुख्य तिराहे पर समान नागरिक सहिंता की प्रतियां जलाते हुए माकपा ने सरकार की अल्पसंख्यक तथा महिला विरोधी नीतियों के खिलाफ का आरोप लगाते हुए नारेबाजी की। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि समान नागरिक संहिता न तो एकरूप है, ना ही यह नागरिकों के हक में है। कहा यह एक आसमान नागरिक संहिता है। वक्ताओं ने कहा कि यह संविधान में वर्णित नीति निर्देशक तत्वों के तहत संवैधानिक समझ के खिलाफ है। नीति निर्देशक तत्वों में कहा गया है कि देश का अपना एक समान नागरिक संहिता कानून होगा। हर राज्य का अपना-अपना समान नागरिक संहिता कानून यह संविधान की भावना के विरुद्ध पूर्णतया असंवैधानिक होगा। पार्टी वक्ताओं ने कहा कि यह एक प्रतिगामी कानून है जो महिलाओं के कई मौजूदा अधिकारों को छीन लेता है। इस अवसर पर भूपाल सिंह रावत, ज्ञानेंद्र खंतवाल, गीता बिष्ट, सुमन नेगी, शिवानी, गजे सिंह बिष्ट, रणजीत सिंह बिष्ट, मदन मिश्रा आदि शामिल थे। (एजेंसी)

मुख्य सचिव द्वारा प्रदत्त निर्देशों पर जल्द ही 238 मिलियन डॉलर की परियोजना हेतु किये जायेगें ऋण समझौते पर हस्ताक्षर

देहरादून। विगत सोमवार को मुख्य सचिव राधा रतूड़ी की अध्यक्षता में सचिवालय में आहूत यू0यू0एस0डी0ए0 की हाई पावर स्क्रीनिंग कमेटी बैठक में मुख्य सचिव द्वारा यू0यू0एस0डी0ए0, शहरी विकास विभाग, अतंर्गत विभिन्न प्रस्तावों पर अनुमोदन एवं प्रदत्त निर्देशों के अनुपालन में उत्तराखण्ड शहरी क्षेत्र विकास एजेंसी द्वारा आज मंगलवार को नवीन ऋण हेतु किये जाने वाले समझौते के सम्बन्ध में वित्त मंत्रालय, भारत सरकार, आवास एवं नगरीय मंत्रालय (महुआ), भारत सरकार तथा केन्द्रीय लोक स्वास्थ्य एवं पर्यावरण अभियान्त्रिकी संस्थान, भारत सरकार से वर्चुअल वार्तालाप किया गया । उक्त ऋण हेतु यूरोपियन निवेश बैंक द्वारा कुल 238 मिलियन डॉलर स्वीकृत किये जा चुके हैं। सोमवार को राधा रतूड़ी, मुख्य सचिव महोदया, उत्तराखण्ड शासन द्वारा यू0यू0एस0डी.ए0 परियोजनाओं के सापेक्षतः हाई पावर स्क्रीनिंग कमेटी की अध्यक्षता की गई थी। जिसमें उनके द्वारा यू0यू0एस0डी0ए0 को ऋण समझौते पर केन्द्रीय स्तर पर अपेक्षित समस्त औपचारिकताएं पूर्ण किये जाने हेतु तथा ऋण समझौते को यथाशीघ्र हस्ताक्षरित किये जाने हेतु निर्देशित किया गया था।

इसी क्रम में यू0यू0एस0डी0ए0 द्वारा मंगलवार को केन्द्र सरकार के अहम मंत्रालयों वित्त मंत्रालय, आवास एवं नगरीय मंत्रालय, तथा केन्द्रीय लोक स्वास्थ्य एवं पर्यावरण अभियांत्रिकी संस्थान (सी0पी0एच0ई0ई0ओ0), के उच्चाधिकारियों से वर्चुअल वार्तालाप किया। जिसके क्रम में यूरोपियन निवेश बैंक द्वारा स्वीकृत ऋण धनराशि कुल 238 मिलियन डॉलर हेतु आगामी माह में ऋण समझौते को मूर्त रूप दिया जायेगा तथा अभिलेखों पर हस्ताक्षर किये जायेंगे।

सीएम धामी ने दिल्ली से आते ही 38वें राष्ट्रीय खेलों की विभिन्न व्यवस्थाओं का अवलोकन किया

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दिल्ली से देहरादून आते ही रायपुर स्थित महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स स्टेडियम में 38वें राष्ट्रीय खेलों की विभिन्न व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने भोजन व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। उन्होंने खिलाड़ियों को भोजन परोसा और खिलाड़ियों के साथ बैठकर भोजन भी किया। मुख्यमंत्री ने विभिन्न खेल स्पर्धाओं में भाग ले रहे अनेक राज्यों खिलाड़ियों से बात कर उनका हौंसला भी बढ़ाया। इस अवसर पर उन्होंने शूटिंग रेंज का अवलोकन भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में 38वें राष्ट्रीय खेलों की अच्छी शुरुआत हुई है राज्य सरकार का प्रयास है कि सभी खिलाड़ी देवभूमि उत्तराखंड से अच्छा अनुभव लेकर जाएं। खिलाड़ियों और आगंतुकों को हर संभव सुविधा प्रदान करने के प्रयास किए गए हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय खेल का अनुभव राज्य के लिए काफी कारगर साबित होगा।

नारायणबगड़ में किया वन देवी जनजागरण देवरा यात्रा का भव्य स्वागत

चमोली : वन विभाग द्वारा जंगलों को आग से बचाने और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए वन देवी जनजागरण देवरा यात्रा नारायणबगड़ पहुंची। जहां सरपंचों ग्रामीणों और स्थानीय लोगों द्वारा यात्रा का फूल मालाओं व गाजे बाजों से भव्य स्वागत किया गया।

इंटर कालेज नारायणबगड़ प्रांगण में सांस्कृतिक गोष्ठी का आयोजन कर वनों को आग से बचाने का आह्वान किया गया। अलकनंदा भूमि संरक्षण एवं वन प्रभाग के सौजन्य से आयोजित वनाग्नि नियंत्रण एवम प्रबंधन कार्यक्रम के तहत तीन जनवरी से शुरू हुई वन देवी जन जागरूकता डोली यात्रा मंगलवार को नारायणबगड़ पहुंची। जहां वन पंचायत सरपंचों व ग्रामीणों तथा महिला मंगल दलों द्वारा यात्रा का फूल मालाओं और गाजे बाजों से स्वागत किया गया। अलकनंदा वन प्रभाग की डीएफओ प्रियंका शुंडली ने कहा कि उत्तराखंड देव भूमी है यह अधिकांश देवी देवताओं का वास गांवों के आसपास के जंगलों में रहता है। कहा कि जिसमें प्रमुख रूप से वन देवी का वास रहता है। वन सरपंच एसोसिएशन चमोली के जिलाध्यक्ष कैलाश खंडूड़ी ने वनों की सुरक्षा को आस्था से जोड़ते हुए वन विभाग के अधिकारियों की प्रशंसा की। वन क्षेत्राधिकारी महिपाल सिंह नेगी व आरके निराला ने कहा कि अब तक वन देवी डोली पांच दिनों में जनपद के लगभग 30 गांवों का भ्रमण कर चुकी है। जनपद के समस्त विकासखंड के गांवों में वन देवी डोली भ्रमण यात्रा संपादित की जाएगी। इस मौके पर गढ़कला प्रयास संगम पौड़ी के कलाकारों ने नुक्कड़ नाटक सहित कई कार्यक्रम प्रस्तुत कर लोगों को जागरूक किया। वही सांस्कृतिक विभाग की टीम द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम और नाटक के माध्यम से वनों को आग सुरक्षा और बचाने का आह्वान किया गया। इस मौके पर ब्लॉक प्रमुख यशपाल सिंह नेगी, अलकनंदा वन प्रभाग की प्रभागीय वनाधिकारी प्रियंका शुंडली, वनाधिकारी महीपाल सिंह नेगी, वन क्षेत्राधिकारी आरके निराला, अखिलेश भट्ट, वन पंचायत परामर्श दात्री के जिलाध्यक्ष कैलाश खण्डूडी, मोनू सती सहित भारी संख्या में क्षेत्रीय जनता मौजूद रही। (एजेंसी)

चमोली जिले को मिले 28 महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता

चमोली : स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने जिला पंचायत सभागार में आयोजित नियुक्ति पत्र वितरण का वर्चुअल माध्यम से शुभारम्भ किया। इस अवसर स्वास्थ्य मंत्री ने सभी चयनित महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को बधाई दी और उम्मीद जताई कि सभी एएनएम पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ अपने दायित्वों और कर्तव्यों का पालन कर प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढीकरण में सहयोग करेंगे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला प्रधान संगठन के अध्यक्ष मोहन नेगी व मुख्य चिकित्साधिकारी अभिषेक गुप्ता ने संयुक्त रूप से चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। मुख्य अतिथि मोहन सिंह नेगी ने कहा कि सभी चयनित एएनएम राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के कार्यक्रमों को सुचारू रूप से चलाने और जनपद के दूरस्थ क्षेत्रों में जनपद की गर्भवती महिलाओं

एवं नौनिहालों के टीकाकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अभिषेक गुप्ता ने चयनित महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ताओ को संबोधित करते हुए कहा कि जनपद के मातृत्व स्वास्थ्य एवं शिशु कल्याण सेवा के अंतर्गत समुदाय में गर्भवती महिलाओं एवं शिशुओ को जानलेवा रोगों से बचाव हेतु टीकाकरण के माध्यम से महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। कार्यक्रम में वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी राजेश कपरवान, जिला हेल्थ विजिटर गंगोत्री रढ़वाल, अपर प्रतिरक्षण अधिकारी रचना, जिला आई ई सी कॉर्डिनेटर उदय सिंह रावत आदि मौजूद रहे। (एजेंसी)

गोरा साधु नाटक से दिया पर्यावरण, जंगल, जानवर के प्रति जागरूकता बढ़ाने का संदेश

श्रीनगर गढ़वाल : गढ़वाल विवि के लोककला संस्कृति निष्पादन केन्द्र में गोरा साधु नाटक का आयोजन किया गया। एडवर्ड जेम्स कार्बेट की जिंदगी के किस्सों पर बनाए गए नाटक से पर्यावरण, जंगल, जानवर के प्रति जागरूकता बढ़ाने का संदेश दिया गया। नाटक की शुरुआत दामोदर नाम के एक काल्पनिक पात्र से होती है, जिसका बेटा कार्बेट के नाम पर बहुत से धंधे करता है। नाटक में दामोदर को यह बात परेशान करती है कि कार्बेट के आसपास रहने वाले लोगों को कार्बेट के बारे में कुछ भी पता नहीं है। इसी बीच, एक रिपोर्टर आता है जो कार्बेट के बारे में जानना चाहता है और दामोदर उसे कार्बेट की जिंदगी का एक किस्सा सुनाता है। नाटक में दिखाया गया कि एडवर्ड जेम्स कार्बेट शिकारी होने के साथ-साथ एक महान प्रकृति प्रेमी थे। वह भारत के लोगों के लिए बहुत कुछ सोचते थे और उनकी मदद करते थे। इसी वजह से लोग उन्हें गोरा साधु कहते थे। केंद्र के शिक्षक और उस्ताद बिस्मिल्लाह खान युवा पुरस्कार से सम्मानित कलाकार डॉक्टर संजय पांडे ने बताया कि नाटकों का उद्देश्य समाज में सकारात्मक संदेश देने के साथ-साथ समाज को जागृत करना है। नाटक को प्रकाश थपलियाल की किताब गोरा साधु से प्रेरणा लेकर लिखा गया है। नाटकीय रूपांतरण, निर्देशन, और संगीत संजय रिखाड़ी ने किया है। नाटक में दामोदर की भूमिका में ललित बिष्ट, रिपोर्टर प्रभात नेगी, ग्रामीण गौरव बिष्ट और फरहान रब्बानी, एडवर्ड जेम्स कार्बेट का अमित तिवारी ने अभिनय किया है। प्रकाश परिकल्पना विकेश वाजपेयी और साउंड डिजाइनिंग दिनेश द्वारा की गई। मौके पर डॉ. डी.आर. पुरोहित, संजय पाण्डेय, महेंद्र और अन्य मौजूद थे। (एजेंसी)

जयन्त

संस्थापक

स्व.नरेन्द्र उनियाल

प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी

नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित

—सम्पादक

नागेन्द्र उनियाल

आर.एन.आई. 35469/79

फोन/फैक्स 01382—222383

मो. 8445596074, 9412081969

e-mail: nagendra.uniyal@gmail.com